राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 311 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,19 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

## एक नज़र...

### पीएम मोदी की छवि खराब करने में जुटी कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस पर कोरोना के दौरान देशवासियों में भ्रम फैलाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाकर कहा कि संकट काल में विपक्षी दल की गिद्धों की राजनीति उजागर हुई है। एक टूलकिट का हवाला देकर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कोरोना के समय जब पूरा देश महामारी से लड़ रहा है,तब कांग्रेस ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए भारत को पूरे विश्व में अपमानित और बदनाम करने की कोशिश में जुटी है।

### कंगना हुईं कोरोना संक्रमण से मुक्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अभिनेत्री कंगना रणौत ने मंगलवार को बताया कि वह कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हो गई हैं। कंगना 8 मई को संक्रमित पाई गई थीं और घर में ही पृथकवास में रह रही थीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा, सभी को नमस्ते, आप सभी के प्रेम और शुभेच्छाओं से मैं अब संक्रमण मुक्त हो गई हूं। मैंने वायरस को कैसे हराया इस बारे में बहुत कुछ कहना चाहती हूं लेकिन मुझे कोविड फैन क्लब्स को आहत न करने के लिए कहा गया है। हां वायरस के लिए जरा भी अनादर दिखाओ तो वाकई में कुछ लोग ऐसे हैं जो आहत हो जाते हैं।

### बदरीनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट आज मंगलवार को वैदिक मंत्रोचार एवं शास्त्रोक्त विधि-विधान से आज मेष लग्न पुष्य नक्षत्र में प्रातः 4 बजकर 15 मिनट पर खोल दिये गये है। ग्रीष्म काल में निरंतर भगवान बदरीविशाल की पूजा-अर्चना होगी। इस अवसर पर मंदिर तथा मंदिर मार्ग को श्री बदरी-केदार पुष्प सेवा समिति द्वारा लगभग 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया था। प्रातः तीन बजे से ही कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गयी श्री कुबेर जी बामणी गांव से लक्ष्मी द्वार से मंदिर प्रांगण पहुंचे। श्री उद्धव भी मुख्य द्वार से अंदर पहुंचे। ठीक प्रातः 4 बजकर 15 मिनट पर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुले इस अवसर पर कुछ ही लोग अखंड ज्योति के गवाह बने।

## कार्टून

# जिलाधिकारी टेस्टिंग, कंटेनमेंट और वैक्सीनेशन पर जोर दें : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संक्रमण की स्थिति पर देश के 46 जिलों के जिलाधिकारियों के साथ बैठक में टेस्टिंग, ट्रैकिंग, कंटेनमेंट और वैक्सिनेशन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण केवल इसी तरह रोका जा सकता है। बैठक में कर्नाटक, बिहार, असम, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के जिलाधिकारी शामिल हुए। पीएम मोदी ने कोरोना से जंग में प्रशासनिक अधिकारियों को फील्ड कमांडर बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिलाधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि हमारे देश में जितने जिले हैं, उतनी ही तरह की चुनौतियां हैं। जिलाधिकारी के रूप में आप अपने जिलों की चुनौतियों को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए जब आपका जिला जीतता है, तो देश जीतता है। जब आपका जिला कोरोना को हराता है, तो देश कोरोना को हराता है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रहे कोरोना को लेकर विशेषज्ञ चिंतित हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना की इस दूसरी लहर में, ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों पर हमें बहुत ध्यान देना है। जरूरी सेवाओं को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि कोविड के अलावा आपको अपने जिले के हर एक नागरिक की ईज ऑफ लिविंग का भी ध्यान रखना होगा। उन्होंने इस दौरान वायरस के खिलाफ लड़ने के हथियारों और टेस्टिंग, ट्रैकिंग के फॉर्मूले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा इस

वायरस के खिलाफ हमारे हथियार क्या हैं हमारे हथियार हैं- लोकल कंटेनमेंट जोन, आक्रामक जांच और लोगों तक सही और पूरी जानकारी।

उन्होंने बताया टेस्टिंग ट्रैकिंग, ट्रीटमेट और कोविड व्यवहार पर लगातार बल देते रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कोरोना के खिलाफ इस युद्ध में आप सब लोग एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका में है। आप एक तरह से इस युद्ध के फील्ड कमांडर हैं।

### अक्टूबर तक दूसरे देशों को वैक्सीन नहीं देगा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर के कारण भारत में मचे हाहाकार के बीच टीकाकरण अभियान में तेजी लाई गई है लेकिन कई राज्य टीके की कमी का दावा कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियां केंद्र पर आरोप लगा रही हैं कि देश में टीकाकरण अभियान को तवज्जो न देते हुए सरकार ने विदेशों को टीके भेज दिए। अब सरकारी सूत्रों ने बताया है कि सरकार इस साल अक्टूबर के आखिर तक कोरोना वैक्सीन की किसी भी बड़ी खेप का निर्यात नहीं करेगा और वैक्सीन का इस्तेमाल देश में किया जाएगा। हालांकि, इससे दुनियाभर में टीकों की आपूर्ति के लिए शुरू की गई पहल कोवैक्स को काफी नुकसान होने की आशंका है। बता दें कि कोरोना संकट के कारण सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत ने बीते महीने ही वैक्सीन के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

# दिल्ली में कोरोना से मरने वालों के परिजनों को मिलेगी 50,000 की मदद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया कि प्रत्येक परिवार जिनमें किसी सदस्य की मौत कोरोना के कारण हुई है, उनको अनुग्रह राशि के रूप में 50,000 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, जिन परिवारों में इकलौते कमाने वाले सदस्य की मौत कोरोना से हुई है उन्हें भी 50 हजार रुपये अनुग्रह राशि के साथ 2500 रुपये पेंशन प्रतिमाह दिए जाएंगे। सीएम केजरीवाल ने कहा कि कोरोना महामारी ने चारों तरफ से लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है, जिसके घर में किसी भी सदस्य को कोरोना होता है उन्हें बहुत मुश्किल उठानी पड़ती है। बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके अपनों की मौत हो गई। घर में जो कमाने वाला था उसकी मौत हो गई।

अब घर में कोई कमाने वाला नहीं है। कई बच्चे ऐसे हैं जिनके दोनों मां-बाप चले गए। कई बुजुर्ग हैं जिनके कमाने वाले बच्चे चले गए। पिछले कुछ दिनों से हम इसी के ऊपर मंथन कर रहे थे। कोरोना के इस संकट काल में किस तरह हम लोगों की समस्या को दूर कर सकें। आज विचार मंथन के बाद चार घोषणा करने जा रहे हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि जो चार कदम उठाने जा रहे हैं उनसे लोगों को इस मुसीबत के वक्त थोड़ी राहत मिलेगी। दिल्ली में 72 लाख लोग ऐसे हैं जिनके पास राशन कार्ड हैं। जिनके पास राशन कार्ड हैं सरकार उन्हें पांच किलो राशन देती है। 4 किलो गेहूं और एक किलो चावल। इसके बदले उनसे कुछ पैसे लिए जाते हैं। इस महीने यह राशन मुफ्त दिया जाएगा। इसके अलावा 5 किलो और राशन प्रधानमंत्री जी की स्कीम के तहत यह मुफ्त दिया जा रहा है।

हर राशनकार्ड धारी को मुफ्त 10 किलो राशन दिया जाएगा। दिल्ली में सिर्फ 72 लाख राशनकार्ड धारी हैं। बाकी लोगों के पास राशनकार्ड नहीं है। हर राज्य का कोटा होता है। उसी के आधार पर राशनकार्ड जारी होता है। अब जिनके पास राशन कार्ड नहीं हैं उन्हें भी राशन मिलेगा। जो लोग कहेंगे कि हम गरीब हैं उन्हें राशन चाहिए तो उन्हें राशन दिया जाएगा। जिस तरह पिछली बार दिया था उसी तरह इस बार भी दिया जाएगा। इसमें किसी भी तरह आय प्रमाण पत्र नहीं देना होगा। बहुत से ऐसे लोग हैं जिनकी कोरोना से मौत हो गई उन लोगों के प्रति हमारी सहानुभूति है। आपकी इस क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता है।

### सिंगापुर वेरिएंट जिसकी तीसरी लहर भारत में बच्चों पर बढ़ा सकती है कहर

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सिंगापुर में मिले नए स्ट्रेन से भारत में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर आ सकती है और यह बच्चों को अधिक प्रभावित करेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से यह भी अपील की है कि सिंगापुर से विमानों की आवाजाही रोक दी जाए। दिल्ली के मुख्यमंत्री की ओर से यह आशंका जाहिर किए जाने के बाद से अभिभावकों की चिंताएं बढ़नी लाजिमी है, क्योंकि नया स्ट्रेन बच्चों को अधिक प्रभावित कर रहा है। सिंगापुर ने पहले दुनिया को सचेत कर दिया है। कोरोना महामारी की शुरूआत के बाद से यह संक्रामक वायरस कई बार अपना रूप बदल चुका है। वैसे तो यह वायरस आमतौर पर बुजुर्गों और दूसरी बीमारियों से ग्रस्त लोगों पर कहर बनकर टूटा है, लेकिन सिंगापुर में जो इसका नया स्ट्रेन मिला है वह बच्चों को अधिक प्रभावित कर रहा है।

# तृणमूल के 4 नेताओं को जमानत देने के आदेश पर रोक

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के चार बड़े नेताओं को जमानत देने के विशेष सीबीआई अदालत के आदेश पर सोमवार की देर रात रोक लगा दी।

इसके बाद नारदा स्टिंग ऑपरेशन मामले में दिन बुधवार को उच्च न्यायालय के समक्ष मामले की सुनवाई होने तक तृणमूल के चारों नेताओं को प्रेसीडेंसी जेल में ही रहना होगा। नारदा स्टिंग टेप मामले में सीबीआई ने तृणमूल कांग्रेस के दो मंत्रियों- फिरहाद हकीम और सुब्रत मुखर्जी के साथ-साथ वर्तमान विधायक मदन मित्रा और कोलकाता नगर निगम के पूर्व मेयर सोवोन चट्टोपाध्याय को गिरफ्तार करने के बाद सोमवार सुबह से राज्य में भारी ड्रामा देखने को मिला। जिसमें कई राजनेता और एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी कथित रूप से कंपनी को अनौपचारिक लाभ प्रदान करने के लिए नकद स्वीकार करते पाए गए थे। दिनभर चले ड्रामे के बाद तृणमूल के चारों नेताओं को सीबीआई की विशेष अदालत ने सोमवार शाम को अंतरिम जमानत दे दी। सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा सत्ता पक्ष के चार दिग्गजों को जमानत दिए जाने के ठीक बाद, केंद्रीय जांच एजेंसी ने उच्च न्यायालय का रुख किया और मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ के समक्ष निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने और मुकदमे को दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने की अपील की।

# रोहिणी कोर्ट से पहलवान सुशील कुमार को बड़ा झटका, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलवान सुशील कुमार को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। रोहिणी कोर्ट ने पहलवान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। पहलवान सागर हत्याकांड में फरार चल रहे सुशील कुमार ने मंगलवार को रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

गौरतलब है कि सुशील कुमार 4 मई को सागर की मौत के बाद से फरार चल रहा है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि सुशील कुमार के बारे में जानकारी देने वाले को 1 लाख रु का इनाम देगी। 50 हजार रुपये की राशि उन व्यक्तियों को दी जाएगी, जो इस मामले में एक और आरोपी अजय के बारे में जानकारी देंगे। दिल्ली की एक अदालत ने स्टार पहलवान के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। अजय ट्रेनर ही नहीं, सुशील का गहरा दोस्त भी है। आशंका इसी बात की ज्यादा है कि अजय ही सुशील के छिपने में मदद कर रहा है। इसलिए दोनों पर एक साथ इनाम घोषित किया गया है। इससे अब दोनों के बचने के सारे दरवाजे बंद हो गए हैं। पुलिस दिल्ली-एनसीआर में अलग-अलग जगहों पर छापा मार रही है। हालांकि, अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। वही अधिकारियों ने कहा कि बचने के सभी रास्ते बंद होने के बाद संभव है कि सुशील आत्मसमर्पण कर दें। इस लिहाज से अगले 1-2 दिन उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस बीच वह पुलिस के सामने सरेंडर कर दे। सुशील के दर्जन भर ठिकानों पर छापेमारी की गई है। ऐसे में उसका जोर इसी बात पर है कि वह सुशील को आत्मसमर्पण का मौका न दे। इसकी जगह वह गिरफ्तार करने में कामयाब हो जाए।

# भारत में वैक्सीन लेने के बाद मिलीं रक्तस्राव और थक्के जमने की घटनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटेन की तरह भारत में भी वैक्सीन लेने के बाद रक्त स्राव और थक्के जमने की घटनाएं सामने आई हैं। अभी तक सरकार इन घटनाओं से इनकार कर रही थी लेकिन सोमवार को टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभावों को लेकर गठित राष्ट्रीय टीम ने इसकी पुष्टि की है। देश में अप्रैल तक वैक्सीन लेने के बाद 23 हजार प्रतिकूल प्रभाव की घटनाएं मिली हैं जिनमें से 498 लोगों में गंभीर असर भी दिखाई दिए हैं। जब इन मरीजों में चिकित्सकीय स्थिति को लेकर समीक्षा की गई तो पता चला कि 26 मरीजों में रक्तस्राव और थक्के जमने की शिकायत मिली है। इन सभी लोगों ने कोविशील्ड टीका लिया था। कोवाक्सिन लेने वालों में इस तरह का कोई प्रभाव नहीं मिला है। हालांकि टीकाकरण के आंकड़ों से तुलना करने पर टीम को पता चला कि देश में 10 लाख कोविशील्ड की खुराक लेने वालों में 0.61 को ही यह शिकायत हुई है। इस साल 3 अप्रैल तक 7,54,35,381 लोगों को टीका लगा था जिनमें से 6,86,50,819 ने कोविशील्ड और 67,84,562 ने कोवाक्सिन टीका लिया था। उस दौरान यूके में वैक्सीन लेने के बाद रक्तस्राव और खून के थक्के जमने की शिकायतें सामने आई थीं। तभी राष्ट्रीय टीम ने इन मामलों की समीक्षा करना शुरू कर दिया था। उस दौरान 65,944,106 पहली और 9,491,275 लोग दूसरी खुराक ले चुके थे। समीक्षा के दौरान पता चला कि इनमें से 23 हजार लोगों ने वैक्सीन लगने के बाद परेशानी होने की शिकायत दी है।

# कोरोना सिर्फ पीएम मोदी का नहीं, सभी का दुश्मन : फाउची

*वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची ने कहा कि यह महामारी सभी की दुश्मन है सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नहीं। फाउची ने भारतीय नेताओं को चेताया कि लड़ने की बजाए इस समय देश के बड़े दुश्मन कोरोना वायरस से जंग लड़नी चाहिए। यह समय महामारी के खिलाफ लड़ने का है। बड़े अफसोस की बात है कि भारतीय नेता इस समय पीएम मोदी के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं और वायरस को कम समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ लोगों के लिए नागरिकों की जान से ज्यादा महत्वपूर्ण राजनीति है। इस वायरस का लोगों पर क्या असर हो रहा या उनका क्या हाल इसकी तरफ ध्यान देने की बजाए राजनेता आरोप-प्रत्योप में लगे हुए हैं।*

*डॉ फाउची ने कहा कि जहां पीएम मोदी और उनकी टीम लोगों का जल्द से जल्द वैक्सीनेशन में जुटी हुई है वहीं विपक्ष सहयोग करने की बजाए अफवाहें फैलाकर भ्रम पैदा कर रहा है। विपक्ष की इस चाल से लोगों का ही नुकसान होगा क्योंकि यह वायरस किसी एक के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए एक जैसा है। डॉ फाउची ने कहा कि विपक्ष यह नहीं देख रहा कि पीएम मोदी की दिन-रात मेहनत के कारण ही वैज्ञानिक समय से पहले कोरोना वैक्सीन लेकर आए और इसे लोगों को लागाय शुरू किया बल्कि नेता यह देख रहे हैं कि दवा की देश में कमी है। जबकि मोदी सरकार वैक्सीन आपूर्ति के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। डॉ फाउची ने कहा कि पीएम मोदी नें 15 अगस्त 2020 में घोषणा की थी कि जल्द ही कोरोना पर भारतीय वैक्सीन आएगी और वैज्ञानिक तभी से काम पर लग गए थे।*

*जनवरी 2021 में देश में वैक्सीनेश का काम शुरू भी हो गया था, विपक्ष को यह चीजें भी ध्यान में रखनी चाहिएं। इससे पहले भी अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची कोरोना वायरस को लेकर भारत की स्थिति पर कुछ न कुछ कहते आए हैं। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि भारत इस गलतफहमी में आ गया था कि कोरोना वायरस खत्म हो गया है इसलिए समय से पहले ही पाबंदियों में ढील दे दी गई। भारत कोविड महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है और अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन, टीका और दवाइयों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ फाउची ने संसद की स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम एवं पेंशन समिति के समक्ष कहा था कि भारत के वर्तमान गंभीर हालात का कारण यह है कि वहां वास्तव में एक लहर थी और उन्होंने यह गलत आकलन किया।*

# नवनीत कालरा को लेकर खान मार्केट पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की टीम व्यवसायी नवनीत कालरा को लेकर खान मार्केट पहुंची है। वहां, उसके साथ पूछताछ चल रही है। दिल्ली की एक अदालत ने कथित तौर पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जमाखोरी के मामले में पूछताछ के लिए कालरा को 3 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दिल्ली की साकेत कोर्ट में व्यवसायी कालरा की रिमांड को लेकर सोमवार को सुनवाई हुई थी। अदालत ने पूछताछ के लिए कालरा को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

दिल्ली पुलिस ने अदालत से पांच दिन की हिरासत की मांग की थी। अदालत ने 5 दिन की पुलिस हिरासत को खारिज कर 3 दिन की हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी के आरोपी फरार नवनीत कालरा को रविवार देर रात गुरुग्राम के सोहना स्थित फार्म हाउस से गिरफ्तार किया था। खान मार्केट स्थित ख्यातनाम रेस्तरां खान चाचा का मालिक कालरा गत 5 मई से फरार था। पुलिस उसकी तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही थी। कालरा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी भी लगाई थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया था।

दक्षिण जिला पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद कालरा को अपराध शाखा के हवाले कर दिया। दक्षिण जिला पुलिस ने कालरा के खिलाफ 4 मई को मामला दर्ज किया था। इससे पहले पुलिस ने उसके मैनेजर रितेश व दूसरे कारोबारी गौरव सहित चार कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया था। इनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने छह मई को लोदी कॉलोनी स्थित रेस्तरां-बार से 419 ऑक्सीजन कन्सट्रेटर बरामद किए थे। इसके बाद 7 मई को खान मार्केट स्थित खान चाचा रेस्तरां और टाउन हॉल रेस्तरां में छापा मारकर105 कन्सट्रेटर बरामद किए। जांच में पता चला कि तीनों ही रेस्तरां का मालिक नवनीत कालरा है। इस पूरे मामले में पुलिस को उसकी तलाश थी।

# कोरोना:बीते दिन 5.24 लाख केस, 10,699 मौतें

## अमेरिका में संक्रमण से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 6 लाख के पार

**वॉशिंगटन।।** दुनियाभर में कोरोना महामारी अपना कहर बरपा रही है। हालांकि, बीते कुछ दिनों में वायरस की रफ्तार में कुछ कमी देखी गई है। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 5 लाख 34 हजार 257 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। इस दौरान 10,699 लोगों की मौत भी हुई। महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका में मौत का आंकड़ा 6 लाख के पार पहुंच गया है। यहां अब तक 6 लाख 533 लोगों को कोरोना की वजह से जान गंवानी पड़ी है।

**भारत में अब भी सबसे ज्यादा केस मिल रहे**

दुनिया में अब भी सबसे ज्यादा केस भारत में ही मिल रहे हैं। यहां बीते दिन 2.62 लाख नए संक्रमितों की पहचान हुई। इसके बाद ब्राजील में 33,631, अर्जेंटीना में 28,680 और अमेरिका में 25,030 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई।

**सबसे ज्यादा मौतें भी भारत में हो रहीं**

एक दिन में कोरोना की वजह से जान गंवाने वालों की बात करें, तो यहां भी भारत ही टॉप पर बना हुआ है। बीते दिन भारत में 4,340 लोगों की मौत हुई। इसके बाद ब्राजील में 1,039, कोलंबिया में 509 और अर्जेंटीना

में 505 लोगों की कोरोना की वजह से मौत हुई।

सिंगापुर में कोरोना के मामले बढ़ने की आशंका के बीच सरकार ने सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा कर दी है। सिंगापुर सरकार ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में पाया गया कोरोना वायरस का वैरिएंट बच्चों पर बुरा असर डाल सकता है।

सऊदी अरब ने पिछले साल मार्च से बंद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से रोक हटा ली है। साथ ही अपने जमीन और समुद्र के बॉर्डर भी खोल दिए हैं। लेबनान, यमन, ईरान और तुर्की के लिए प्रत्यक्ष रूप से जाने-आने वाली उड़ानों पर रोक बरकरार रहेगी।

करीब पांच महीने बाद ब्रिटेन के रेस्त्रां, पब और बार को इंडोर सेवाएं देने की मंजूरी मिल गई। आधी रात से ही लोग पबों और बार के बाहर सैकड़ों की संख्या में पहुंच गए थे पर फास्ट फूड, रेस्त्रां और होटल इंडस्ट्री से जुड़े लोग चिंतित दिखे। दरअसल तीन लॉकडाउन और ब्रेक्जिट के बाद अच्छे शेफ, बार टेंडर, वेटर और डाइनिंग स्टाफ की भारी कमी हो गई है।

दुनिया में कोरोना के अब तक 16.42 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 34.04 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, जबकि 14.29 करोड़ लोगों ने कोरोना को मात दी है। फिलहाल 1.78 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें 1.77 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं और 1.01 लाख लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

## कोविड - 19 संक्रमण:सिंगापुर में सभी स्कूल बंद; ताइवान में मिले रिकॉर्ड 333 केस, 28 मई तक सख्ती

**सिंगापुर/ताइपे** सिंगापुर में कोरोना के मामले बढ़ने की आशंका के बीच सरकार ने सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा कर दी है। सिंगापुर सरकार ने रविवार को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में पाया गया कोरोना वायरस का वैरिएंट बच्चों पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए सरकार ने स्कूलों को बंद करने के साथ ही युवाओं को तेजी से वैक्सीन देने की योजना तैयार की है। सरकार ने सभी स्कूलों को 28 मई तक के लिए पूरी तरह से होम बेस्ड लर्निंग पर करने का फैसला किया है। दूसरी ओर, कोरोना के कहर से बचे ताइवान में पहली बार एक दिन में रिकॉर्ड 333 केस मिले हैं। इसे लेकर ताइवान ने अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। 28 मई तक सिनेमाघरों, रेस्तरां-पब और सार्वजनिक स्थलों पर आवागमन पर पाबंदी लगा दी है।

**सऊदी में अंतरराष्ट्रीय रोक हटी**

सऊदी अरब ने पिछले साल मार्च से बंद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से रोक हटा ली है। साथ ही अपने जमीन और समुद्र के बॉर्डर भी खोल दिए हैं। लेबनान, यमन, ईरान और तुर्की के लिए प्रत्यक्ष रूप से जाने-आने वाली उड़ानों पर रोक बरकरार रहेगी।

## इजरायल-फिलीस्तीन के बीच सीजफायर कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन पर बढ़ा दबाव

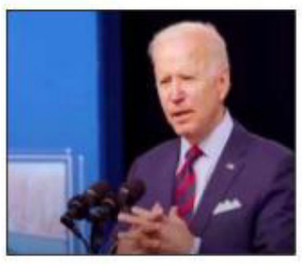

**वॉशिंगटन।** इजरायल और फिलीस्तीन के बीच छिड़ी जंग को रुकवाने के लिए इस वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर जबरदस्त दबाव है। इसकी सबसे बड़ी वजह गाजा स्थित मीडिया हाउस पर हुआ हमला है। इस हमले में एसोसिएटेड प्रेस समेत अलजजीरा का ऑफिस तबाह हो गया था। इस इमारत में कुछ दूसरे मीडिया हाउस भी काम कर रहे थे।

इजरायली राष्ट्रपति बेंजामेन नेतन्याहू ने टीवी पर जारी एक संदेश में कहा था कि इस इमारत में जो मीडिया हाउस था उसका इस्तेमाल हमास के लोग अपने खुफिया ऑफिस के तौर पर कर रहे थे। उनके मुताबिक हमले में इस इमारत को सटीक तौर पर निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद बाइडन प्रशासन ने भी इजरायल से इसको लेकर जवाब तलब किया है। आपको बता दें कि दोनों और से हो रहे हमलों में अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक के बाद बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही उन पर सीजफायर को लेकर दबाव बढ़ाने में लग गए हैं। बाइडन प्रशासन का कहना है कि वो इस संबंध में इजरायली प्रधानमंत्री से संपर्क में है। पिछले दिनों अरब जगत समेत संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी हमलों को तुरंत रोकने की अपील की थी। यूएन प्रमुख ने कहा था कि यदि ये नहीं रुका तो इसके विनाशकारी परिणाम होंगे।

## वैक्सीन डिप्लोमेसी को लेकर चीन डब्ल्यूटीओ में भारत और दक्षिण अफ्रीका का करेगा समर्थन

**बीजिंग।** दुनिया में चल रही वैक्सीन डिप्लोमेसी में दखल देते हुए चीन ने कहा है कि वह व्यापार संबंधी बौद्धिक संपदा कानून में ढील देने के भारत और दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव का समर्थन करेगा। दोनों देशों ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में प्रस्ताव देकर इस कानून में ढील देने की मांग की है जिससे विदेशी वैक्सीन के फॉर्मूले लेकर उनका व्यापक तौर पर उत्पादन किया जा सके।

**डब्ल्यूटीओ ने भारत और दक्षिण अफ्रीका की मांग का किया समर्थन**

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दोनों देशों की मांग का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका दुनिया में वैक्सीन के बड़े उत्पादक देश हैं। कोरोना संक्रमण की जो स्थिति है उसके मद्देनजर गरीब और मध्यम वर्ग के देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए उसके बड़े पैमाने पर उत्पादन की जरूरत है। जब तक इस कार्य में भारत और दक्षिण अफ्रीका की मदद नहीं ली जाएगी तब तक इन देशों को सस्ती दर पर वैक्सीन उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। दुनिया से कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए सभी देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस वास्तविकता को समझते हुए हाल ही में हुई विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों के राजदूतों की बैठक में बौद्धिक संपदा कानून में ढील देने पर फिर से विचार किया गया। इस सिलसिले में भारत और दक्षिण अफ्रीका के अक्टूबर 2020 में दिए गए प्रस्ताव पर अमेरिका और यूरोपीय यूनियन का समर्थन जुटाया जा रहा है।

# ब्रिटेन हुआ अनलॉक: तीन लॉकडाउन और ब्रेग्जिट के चलते हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में 3.3 लाख लोगों की कमी

### ज्यादा सैलरी पर भी नहीं मिल रहे

**लंदन।** करीब पांच महीने बाद ब्रिटेन के रेस्त्रां, पब और बार को इंडोर सेवाएं देने की मंजूरी मिल गई। आधी रात से ही लोग पबों और बार के बाहर सैकड़ों की संख्या में पहुंच गए थे। पर फास्ट फूड, रेस्त्रां और होटल इंडस्ट्री से जुड़े लोग चिंतित दिखे। दरअसल तीन लॉकडाउन और ब्रेक्जिट के बाद अच्छे शेफ, बार टेंडर, वेटर और डाइनिंग स्टाफ की भारी कमी हो गई है।

नियोक्ताओं और एजेंसियों का कहना है कि अच्छे और अनुभवी लोग अनिश्चितता के चलते दूसरी नौकरियों में चले गए हैं। लंदन के सबसे पुराने रेस्त्रां में शामिल पाइड ए टेरे के डेविड मूर के मुताबिक होटल उद्योग बड़े पैमाने पर कौशल की गंभीर कमी झेल रहा है। लंदन में लोग ही नहीं मिल रहे हैं। ब्रिटेन में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लॉबी समूह के प्रमुख केट निकोलस के मुताबिक सरकार के फॉरलो प्रोग्राम (छुट्टी में तनख्वाह) के बावजूद उद्योग 3.3 लाख स्टाफ की कमी का सामना कर रहा है। करीब 20फीसदी रेस्त्रां और 10फीसदी होटल बंद हो गए। कम तनख्वाह, काम का ज्यादा समय और अनिश्चिततता के चलते दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं। जॉब सर्च इंजन एडजुना के मुताबिक कैटरिंग और हॉस्पिटैलिटी के लिए मई में विज्ञापन प्री-कोविड स्तर पर पहुंच गए हैं। मानव संसाधन से जुड़ी एजेंसी सीआईपीडी के सोमवार को जारी 1000 कंपनियों के सर्वे में पता चला है कि दूसरी तिमाही में दो तिहाई हॉस्पिटैलिटी कंपनियां पहली तिमाही से 36फीसदी ज्यादा नियुक्तियां करने जा रही हैं।

लंदन में 40 से ज्यादा रेस्त्रां चलाने वाले समूह डीएंडडी को 400 लोगों की जरूरत है, बमुश्किल 200 मिल पाए हैं। सीईओ देस गुणवर्द्धने के मुताबिक यह बड़ी चुनौती है। ब्रेग्जिट के बाद करीब 50 हजार प्रवासी ब्रिटेन छोड़ चुके हैं। इस साल और भी जाएंगे। गुणवर्द्धने बताते हैं कि लंदन में हॉस्पिटैलिटी उद्योग की 38त्न वर्कफोर्स इन्हीं प्रवासियों की थी। इसलिए अपमार्केट रेस्त्रां को उदार होना पड़ा है। डीएंडी के अलावा कई रेस्त्रां अब ज्यादा तनख्वाह के साथ ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। हालांकि बड़े ऑफर के बाद भी लोग

मुश्किल से मिल पा रहे हैं।

**अब गले मिल सकेंगे लोग, एक-दूसरे के घर आना-जाना भी कर सकेंगे**

ब्रिटेन में सोमवार से लॉकडाउन में छूट दी गई है। 21 जून तक इसे पूरी तरह खत्म करने की योजना है। गैलरी, सिनेमा, थियेटर, स्पोर्ट्स स्टेडियम, म्यूजियम और फन जोन भी खुल सकेंगे। अधिकतम 30 लोगों के समूह में बाहर और छह या दो परिवारों के समूहों में घर के अंदर मिल सकेंगे।

गले लगा सकेंगे। चुनिंदा देशों के लिए फ्लाइट्स भी शुरू हो गई है। पर एयरपोर्ट पर नियम सख्त कर दिए गए हैं। पीएम जॉनसन ने लोगों से सावधानी बरतने के लिए कहा है।

## संघर्ष और ज्यादा बढ़ा:इजरायल ने हमास की 15 किमी लंबी सुरंग तबाह की, भारत ने कहा- हिंसा जल्द बंद हो

**तेल अवीव।** इजरायल और फिलिस्तीनी संगठन हमास के बीच पिछले 9 दिन से जंग जारी है। इजरायल डिफेंस फोर्स ने दावा किया कि उसने हमास की 15 किमी लंबी सुरंग को तबाह कर दिया है। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इसमें 58 से ज्यादा बच्चे भी शामिल हैं।वहीं, इजरायल-फिलीस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कोई नतीजा नहीं निकलने के बाद इजरायल ने गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं। वहीं इन हमलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। जबकि संयुक्त राष्ट्र में भारत ने इस संघर्ष की निंदा की। साथ ही कहा- हिंसा जल्द से जल्द बंद होनी चाहिए। ज्यादातर पक्ष इस मामले का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं। हमास के उप नेता मौसा अबू मरजौक ने कहा कि अगर कोई समझौता होगा तो हमारी शर्तों के साथ होगा, न कि इजरायल की। अगर इजरायल रुकना नहीं चाहता है, तो हम भी नहीं रुकेंगे। अमेरिका, कतर, मिस्र और अन्य देश संघर्ष-विराम की कोशिशों में लगे हैं, लेकिन चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाकर विवाद पैदा कर दिया है। चीन ने कहा है कि अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र को काम नहीं करने दे रहा। वह रोड़े अटका रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि उन्हें इसका बहुत खेद है कि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र को इस हिंसा के खिलाफ खुलकर नहीं बोलने दे रहा है।

## शरणार्थियों की कतार:160 देशों के लोग शरणार्थी बन मैक्सिको से अमेरिका जाने की फिराक में

### सबकुछ बेचकर भी यहां रहना चाहते हैं, इसमें भारतीय भी शामिल

**मैक्सिको।** मैक्सिको से सटी अमेरिकी सीमा पर पेट्रोलिंग कर रहे अमेरिकी एजेंट्स के जवान ने देखा कि एक कार यहां आ रही हैं और लोगों को छोड़कर वापस जा रही हैं। वह तुरंत सतर्क हो जाता है। कहता है- अरे नहीं। साथी जवानों को आगाह करते हुए कहता है- 'यहां आओ और गश्त बढ़ा दो ताकि पहाड़ और पोखर के रास्ते, जहां कोलाराडो नदी बहती है, वहां से किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोका जा सके।

इस रास्ते से महीनेभर पहले ही ब्राजील, क्यूबा, भारत और वेनेजुएला से आने वाले शरणार्थियों की लंबी कतार लग रही है। नया शहर और नई नौकरी के सपने को लेकर पहले भी बड़ी संख्या में लोग इस सीमा से प्रवेश करने की कोशिश कर चुके हैं। फिलहाल, बाइडेन प्रशासन दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर प्रवासियों की बढ़ती संख्या से जूझ रहा है। अप्रैल में ही यूएस बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने 178,622 लोगों को अनाधिकृत प्रवेश से रोका है। यह संख्या पिछले 20 वर्षों में सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौर में जब दुनियाभर की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, लाखों लोगों के रोजगार छिन गए हैं, ऐसे में विकासशील देशों से शरणार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यूरोप का प्रवेश द्वारा माने जाने वाले इटली में करीब 13 हजार प्रवासी इस साल अब तक उतरे हैं, जो पिछले साल की तुलना में तीन गुना ज्यादा हैं।

अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर हाल के महीनों में यूएस बॉर्डर एजेंट्स ने 160 देशों के लोगों को घुसपैठ से रोका है। हालांकि, शरणार्थियों के वकीलों

के मुताबिक, यदि बाइडेन तत्परता दिखाते तो और शरणार्थियों के प्रवेश को अनुमति मिल सकती थी। अमेरिका में शरण पाने के लिए लोग कई तरह का जोखिम उठाते हैं। भारत से भी लोग अपने शहरों से बसों में भरकर पहले मुंबई पहुंचते हैं। यहां से वे दुबई आते हैं और फिर मॉस्को, पेरिस और मैड्रिड होते हुए अंत में मैक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। यहां युमा की रेगिस्तानी और दलदली सीमा से वे अमेरिका में प्रवेश की कोशिश करते हैं। घुसपैठ की कोशिश में वे कई बार तो नदी के बहाव में भी जान गंवा देते हैं।

## रिपोर्ट में खुलासा: कंपनी की महिला कर्मचारी के साथ 20 साल तक थे बिल गेट्स के रिश्ते

**वॉशिंगटन।** दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शुमार बिल गेट्स पत्नी मेलिंडा से तलाक के चलते इन दिनों चर्चा में है। इसके साथ उनके निजी जीवन की बातें भी अब सामने आ रही हैं। महिला मित्र के साथ अरसे तक छुट्टियां मनाने के खुलासे के बाद एक और रिपोर्ट सामने आई है। इसमें कहा गया है कि बिल गेट्स के अपनी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की एक महिला इंजीनियर के साथ भी 20 साल तक नजदीकी संबंध थे।

महिला कर्मचारी ने 2019 में एक पत्र में इस बात का खुलासा किया था। उसने बताया था कि उसके साल 2000 से बिल गेट्स के साथ संबंध रहे हैं। इस पत्र की जांच माइक्रोसॉफ्ट ने भी शुरू की थी, लेकिन वह पूरी होती इससे पहले ही (मार्च 2020में) गेट्स ने बोर्ड छोड़ दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों की सहमति से इस रिश्ते का अंत हुआ। गौरतलब है कि गेट्स और उनकी पत्नी मेलिंडा ने अपनी 27 साल पुरानी शादी को खत्म करने का फैसला

किया है।

लेकिन दोनों बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के लिए साथ काम करते रहेंगे। गेट्स की प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बोर्ड छोड़ने के फैसले का महिला के साथ संबंधों का कोई लेना-देना नहीं है। यह संबंध आपसी सहमति से खत्म किया गया था। वहीं, कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गेट्स 2008 के बाद से ही सक्रिय नहीं हैं। वे परोपकार के कामों पर ध्यान लगाना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पद छोड़ा।

# डब्ल्यूएचओ की अपील रंग लाई:अमेरिका जरूरतमंद देशों को जून में 2 करोड़ वैक्सीन और देगा, 6 करोड़ वैक्सीन का वादा पहले ही कर चुकी है बाइडेन सरकार

**वॉशिंगटन।** जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन दुनिया के उन मुल्कों की फिर मदद करने जा रही है, जहां कोरोनावायरस से हालात खराब हैं, और जहां की सरकारें वैक्सीन खरीद पाने में ज्यादा कामयाब नहीं हो पाई हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार रात कहा कि अमेरिका जून में 2 करोड़ वैक्सीन डोज डोनेट करेगा। इसके पहले भी अमेरिका 6 करोड़ वैक्सीन डोज डोनेट करने का वादा कर चुका है।

बाइडेन की इस घोषणा के एक दिन पहले ही WHO चीफ टेड्रोस घ्रेबिसियस ने अमीर देशों की आलोचना करते हुए कहा था कि वे अपने यहां बच्चों और युवाओं को वैक्सीनेट कर रहे हैं, जबकि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। WHO चीफ ने कहा था- बेहतर होगा कि अमीर देश अपनी जिम्मेदारी समझें और उन मुल्कों को वैक्सीन दें, जहां अभी तक फ्रंटलाइन वर्कर्स को ही वैक्सीनेट नहीं किया जा सका है। इसके बाद न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी अपने एडिटोरियल में बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को यही सलाह दी थी।

**2 करोड़ डोज अलग होंगे**

'न्यूयॉर्क टाइम्स' की सोमवार रात जारी रिपोर्ट के मुताबिक- अमेरिकी सरकार पहले ही 6 करोड़ वैक्सीन डोनेट करने का ऐलान कर चुकी है। अब राष्ट्रपति ने फैसला किया है कि 2 करोड़ वैक्सीन डोज और भी दान किए जाएंगे। ये वैक्सीन उन देशों को दी जाएंगी, जो या तो गरीब हैं और वैक्सीन नहीं खरीद सकते। या फिर ऐसे देश जहां संक्रमण और मौतें सबसे ज्यादा हो रही हैं। हालांकि, रिपोर्ट में किसी देश का नाम नहीं लिया गया है। इसमें एस्ट्राजेनिका वैक्सीन भी शामिल है। इसे फिलहाल एफडीए से मंजूरी नहीं मिली है।

**बाइडेन ने क्या कहा**

व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जो बाइडेन ने कहा- हम जानते हैं कि अमेरिका भी महामारी के असर से तब तक सुरक्षित नहीं हो सकता, जब तक दुनिया में इस पर काबू नहीं पाया जाता। कोई भी समंदर और कोई भी दीवार हमें सुरक्षित नहीं रख सकती।

**NYT ने क्या कहा था**

अमेरिका के सबसे प्रभावशाली और बड़े अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने संपादकीय में बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को सलाह दी थी कि महमारी के इस मुश्किल वक्त में वो भारत और दूसरे विकासशील देशों की खुलकर मदद करे। अखबार ने यही बात वेस्टर्न वर्ल्ड यानी पश्चिमी देशों से भी कही जो आर्थिक तौर पर काफी मजबूत या कहें अमीर हैं।

एडिटोरियल बोर्ड ने कहा था- यह वो वक्त है जब बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को मजबूत और सख्त फैसले लेने चाहिए। उसे इस बात की चिंता करनी चाहिए, कदम उठाने चाहिए कि दुनिया के बाकी देशों को वैक्सीन कैसे पहुंचेगी। अगर वैक्सीन को लेकर ठोस रणनीति नहीं बनाई गई तो दुनिया पर इसके गंभीर आर्थिक प्रभाव पड़ेंगे और यह वैक्सीन बनाने पर होने वाले खर्च से भी ज्यादा महंगे साबित होंगे।

**गरीब देशों की फिक्र**

WHO के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस एडेनहोम घेब्रिसियस ने रविवार को ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोविड-19 के वर्तमान हालात पर चर्चा की थी। इस दौरान WHO चीफ ने कहा था- अमीर देश बच्चों को भी वैक्सीनेट कर रहे हैं। मैं इसे रोकने की अपील करता हूं। बच्चों के वैक्सीनेशन में इस्तेमाल की जा रही डोज गरीब देशों को दान देना चाहिए ताकि महामारी से जल्द और ज्यादा बेहतर तरीके से निपटा जा सके। उन्होंने कहा था- हम देख रहे हैं कि कुछ अमीर देश बच्चों और युवाओं को भी वैक्सीनेट कर रहे हैं। दूसरी तरफ दुनिया के वो गरीब देश हैं, जहां अब तक हेल्थ वर्कर्स तक को वैक्सीन नहीं मिल सकी। हम सभी देशों को वैक्सीन देना चाहते हैं। जनवरी में ही मैंने साफ कर दिया था कि वैक्सीनेशन शुरू होने के बाद नैतिक पतन होगा। बदकिस्मती से हम ये अब साफ देख भी पा रहे हैं। कुछ देश ऐसे हैं, जिनके पास वैक्सीन का ढेर है और वो उन लोगों को भी वैक्सीनेट कर रहे हैं जिन्हें कोविड-19 से बहुत कम खतरा है। मैं उनसे फिर अपील करता हूं कि वे अब गरीब देशों की मदद करें। वहां हेल्थ वर्कर भी वैक्सीन नहीं लगवा सके हैं।

# केंद्र सरकार ने लिखा पत्र, मई में नहीं मिलेगी 18-45 आयुवर्ग के लिए वैक्सीन : सिसोदिया

**नई दिल्ली (आनंद राय)।** दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से केंद्र सरकार से दिल्ली के लिए वैक्सीन की पर्याप्त आपूर्ति करने की मांग की। साथ ही उपमुख्यमंत्री ने वैक्सीन आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए सभी राज्यों को आवंटित किए गए वैक्सीन के डेटा को सार्वजनिक करने की मांग भी की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वैक्सीन की भारी कमी है। दिल्ली में 18+ के लिए सिर्फ. तीन दिन के लिए वैक्सीन बची है। अगर केंद्र सरकार 18+ उम्र के लोगों के लिए वैक्सीन नहीं उपलब्ध कराती है तो हमें मजबूरन सारे वैक्सिनेशन सेंटर बंद करने पड़ेंगे। केंद्र सरकार द्वारा मिली एक चिट्ठी का हवाला देते हुए उपमुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार मई महीने में दिल्ली को 45+ आयुवर्ग के लिए 3.83 लाख वैक्सीन दे रही है। लेकिन 18-44

आयुवर्ग के लोगों के लिए कोई वैक्सीन नहीं मिल रही है। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सामने 3 मांग रखी। पहली, कि केंद्र सरकार 18-44 आयुवर्ग के लोगों के लिए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराए या कम से कम 45+ आयुवर्ग के लिए जितनी वैक्सीन दे रहे है उतना 18-44 आयुवर्ग के लिए भी दे। दिल्ली सरकार उसे खरीदने के लिए तैयार है। दूसरी, भारत में जितनी भी वैक्सीन का उत्पादन हो रहा है और राज्यों को जितना आवंटन किया जा रहा है उसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाए ताकि आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता आ सके। पता चल सके कि राज्यों को कितनी वैक्सीन मिली, सरकारी अस्पतालों और निजी अस्पतालों को कितनी वैक्सीन मिली। तीसरा, केंद्र सरकार बताए कि जून और जुलाई के महीने में दिल्ली को कितनी वैक्सीन मिलेगी ताकि उसके अनुसार दिल्ली सरकार वैक्सीनेशन की योजना बना सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वैक्सीन कार्यक्रम तेजी से चलाया जा रहा है आज 45+ आयुवर्ग के लोगों के लिए वैक्सीन केंद्रों को अस्पतालों से स्कूलों में शिफ्ट किया गया है ताकि वैक्सीनेशन को और गति मिल सके। साथ ही वॉक-इन वैक्सीनेशन की सुविधा भी शुरू की गई है। मतलब कि अब 45+ के लोगों को खुद से रजिस्ट्रेशन कराने की जरूरत नहीं होगी। उनका रजिस्ट्रेशन वैक्सीन केंद्र पर ही होगा। साथ ही 18-44 आयुवर्ग के लोगों का वैक्सीनेशन भी स्कूलों में तेजी से हो रहा है। लेकिन 18 + के लिए दिल्ली में केवल 3 दिन की वैक्सीन बाकी है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा है ताकि दिल्ली में वैक्सीनेशन का कार्यक्रम न रुके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार अब धीमी हो रही है। दिल्ली में संक्रमण दर कम हो रही है और कोरोना से होने वाले मौतों की संख्या भी घटी है। इससे अस्पतालों पर भी दबाब कम हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को केंद्र द्वारा जितनी वैक्सीन उपलब्ध करवाई जा रही है दिल्ली सरकार तेजी के साथ उसे जनता को लगा रही है।

*नई दिल्ली। भाजपा ने एम्बुलेंस और शव वाहन सेवा शुरू की।*

## महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने घर-घर जाकर पोषण आहार की गुणवत्ता का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने मंगलवार को घर-घर जाकर पोषण आहार की गुणवत्ता का निरीक्षण किया है। राजेंद्र पाल गौतम ने वजीरपुर की जेजे कॉलोनी, अशोक विहार स्थित शक्ति नगर एक्सटेंशन और सब्जी मंडी इलाके के आर्य पुरा में लोगों से फीडबैक लिया है। इस दौरान अधिकारियों को कहा कि योजना के तहत किसी प्रकार की अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गड़बड़ी करने पर कतई बख्शा नहीं जाएगा। छोटे बच्चों, गर्भवती एवं स्तनपान करा रही महिलाओं के पोषण में कमी नहीं होने दी जाएगी।

समेकित बाल विकास योजना आईसीडीएस के तहत दिए जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता और मात्रा को जांचने के लिए दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने निरीक्षण किया। राजेंद्र पाल गौतम ने वजीरपुर की जेजे कॉलोनी, अशोक विहार स्थित शक्ति नगर एक्सटेंशन और सब्जी मंडी इलाके के आर्य पुरा में घर-घर जाकर निरीक्षण किया। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम इस लॉकडाउन के दौरान विभिन्न विभागों के संस्थान, बाल गृह, आश्रम आदि का लगातार दौरा कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान वजीरपुर विधायक राजेश गुप्ता उनके साथ रहे।

श्री गौतम विभाग के अधिकारियों के साथ घर-घर जाकर आईसीडीएस के तहत मिल रहे पोषण आहार की जांच पड़ताल कर रहे हैं। मंत्री ने लाभार्थियों से पूछा कि इस स्कीम के तहत उन्हें क्या-क्या मिल रहा है और उसकी गुणवत्ता कैसी है। मंत्री गौतम ने लाभार्थियों से यह भी जानने का प्रयास किया कि उन्हें मानक के अनुसार ही आहार दिया जा रहा है या फिर कोई गड़बड़ी की जा रही है।

इस योजना में पोषण आहार के रूप में 6 वर्ष से छोटे बच्चों और गर्भवती-स्तनपान करा रही महिलाओं को महीने में दो बार आहार दिया जाता है। इस आहार में गेहूं का कच्चा दलिया, कच्चे काले चने, मीठी खील और भुने हुए चने तय मानकों के हिसाब से दिए जाते हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने घर घर जाकर पोषण अभियान के तहत दिए जा रहे आहार की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता का पोषण आहार तय मानकों के हिसाब से मिले। उन्होंने कहा कि इस तरह के औचक निरीक्षण से आंगनवाड़ी कार्यकताओं और अधिकारियों में संदेश जाएगा कि किसी प्रकार की गड़बड़ी, अनियमितता करने पर वह बख्शे नहीं जाएंगे। मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि इस योजना के तहत गुणवत्ता और मानकों की जांच पड़ताल के लिए विभिन्न स्तर पर विभाग में प्रणाली विकसित की गई है लेकिन बावजूद इसके एक मंत्री के रूप में उन्हें घर-घर जाकर खुद ही लोगों से फीडबैक लेना चाहिए।

निरीक्षण के बाद राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि इस योजना के तहत किसी प्रकार की अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिल्ली सरकार छोटे बच्चों एवं गर्भवती और स्तनपान करा रही महिलाओं के पोषण को लेकर पूरी तरह संजीदा है और इन मामलों में किसी प्रकार की अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## सीबीएसई 10वीं रिजल्ट अब जुलाई में होगा जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई अब 10वीं कक्षा का रिजल्ट 20 जून को जारी नहीं करेगा। बदले शेड्यूल के तहत अब नतीजे जुलाई के पहले सप्ताह में ही जारी हो सकेंगे। सीबीएसई ने मंगलवार को नोटिस जारी कर 10वीं के छात्रों के मार्क्स सब्मिट करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। सीबीएसई ने कहा है कि विभिन्न राज्यों में कोविड-19 महामारी, लॉकडाउन, स्कूलों के शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए तारीखें आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। मार्क्स अपलोड करने के लिए सीबीएसई पोर्टल की उपलब्धता - 20 मई (इसमें कोई बदलाव नहीं। सीबीएसई को मार्क्स सब्मिट करने की लास्ट डेट - 30 जून, 2021इंटरनल असेसमेंट मार्क्स (20 में से) सब्मिट करने की तिथि - 30 जून 2021 जो छात्र इस रिजल्ट से संतुष्ट नहीं होंगे उन्हें स्थिति सामान्य होने के बाद एक बार परीक्षा में बैठने का मौका दिया जाएगा। स्कूल में रिजल्ट तैयार करने के लिए स्कूल प्रिंसिपल और 7 शिक्षकों की एक रिजल्ट समिति बनेगी। इसमें दो शिक्षक दूसरे स्कूल से होंगे। रिजल्ट समिति में शामिल होने वाले दूसरे स्कूल के शिक्षकों को 2500-2500 रुपए और अपने स्कूल के शिक्षकों को 1500-1500 रुपए सीबीएसई बोर्ड की ओर से दिए जाएंगे।

## दिल्ली में हार रहा कोरोना, 4,500 से कम नए केस, दोगुने लोग हुए रिकवर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर का कहर अब थमता नजर आ रहा है। बीते कुछ दिनों में तेजी से इसके मामलों में कमी देखी जा रही है। दिल्ली में मंगलवार को जहां संक्रमितों की संख्या घटकर साढ़े 4 हजार से नीचे आ गई, वहीं आज 250 से अधिक मरीजों की मौत हो गई। अब संक्रमण दर घटकर 6.89 प्रतिशत पर आ गई है, जो सोमवार को 8.42 थी। हालांकि, इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा है कि सिंगापुर में आया कोरोना का नया रूप बच्चों के लिए बेहद खतरनाक बताया जा रहा है, भारत में ये तीसरी लहर के रूप में आ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मेरी अपील है कि सिंगापुर के साथ हवाई सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द हों और बच्चों के लिए भी वैक्सीन के विकल्पों

पर प्राथमिकता के आधार पर काम हो। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 4482 नए मरीज मिले हैं, वहीं 265 मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। सोमवार को 4,524 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बुलेटिन के अनुसार, आज 9,403 मरीज पूरी तरह ठीक होकर कोरोना मुक्त हो गए, जबकि सोमवार को यह संख्या 10,918 थी। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 14,02,873 हो गई है और 31,197 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। राजधानी में अब कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव केस घटकर 50,863 पर आ गए हैं। इसके साथ ही, अब तक कुल 13,29,899 मरीज इस महामारी को मात देकर ठीक भी हो चुके हैं। वहीं अब तक मरने वालों की संख्या 22,111 हो गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते 24 घंटे में दिल्ली में कुल 65,004 टेस्ट किए गए हैं। इनमें से 43,915 आरटीपीआर/ सीबीएनएएटी / ट्रूनैट टेस्ट और 21,089 रैपिड एंटीजन टेस्ट शामिल थे। दिल्ली में अब तक कुल 18,407,486 जांचें हुई हैं और प्रति 10 लाख लोगों पर 9,68,815 टेस्ट किए गए हैं। इसके साथ ही अब दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 57,805 पर पहुंच गई है।

## दिशा रवि की याचिका पर जवाब नहीं देने के लिए केंद्र को फटकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसान आंदोलन से संबंधित टूलकिट मामले में गिरफ्तार जलवायु कार्यकर्ता दिशा रवि की याचिका पर जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि आदेशों के बाद भी आप अपना जवाब दाखिल क्यों नहीं कर रहे। इस मामले में आरोपी दिशा रवि ने याचिका में कहा है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और जांच से जुड़े तथ्यों को मीडिया में लीक किया है। साथ ही कहा कि उसके खिलाफ मीडिया ट्रायल चल रहा है।

दिशा ने हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में इस मामले में निष्पक्ष ट्रायल के अधिकार व अपनी निजता के अधिकार का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मामले में समुचित कार्रवाई की मांग की है। जस्टिस रेखा पल्ली ने केंद्र सरकार से कहा कि आदेशों के बाद भी जवाब दाखिल नहीं करने पर दो माह पहले जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया गया था।

उन्होंने केंद्र के वकील से पूछा कि आखिर अंतिम मौका देने के बावजूद आप इस मामले में गंभीर क्यों नहीं हैं। केंद्र की ओर से वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि अचानक कोरोना संक्रमण के मामलों के बढ़ोतरी होने की वजह से मामले में जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। इस मामले में सरकर ने जवाब दाखिल करने के लिए कुछ वक्त देने की गुहार लगाई। इसके बाद हाईकोर्ट ने कोरोना महामारी के मद्देनजर केंद्र सरकार को 4 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

## स्वामी दयानंद अस्पताल में डॉक्टर-नर्स की होगी भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने कोविड-19 की तीसरी लहर से निपटने के लिए अपने सबसे बड़े अस्पताल स्वामी दयानंद अस्पताल में अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। अस्पताल में जूनियर, सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर सहित नर्सों की कमी को दूर करने के लिए अभी से भर्ती प्रकिया शुरू कर दी है। एक तरफ जहां भर्ती प्रकिया शुरू की जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ अस्पताल कई के वार्डों में सिविल वर्क्स और मरम्मत का कार्य भी चल रहा है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से कोरोना की तीसरी लहर के बारे में लेकर चर्चा की जा रही हैं उसके मद्देनजर अभी से सतर्क रहना होगा।

पूर्वी निगम में स्वामी दयानंद अस्पताल एक मात्र सबसे बड़ा अस्पताल है, जहां पूर्वी दिल्ली के लोग ही इलाज के लिए नहीं आते बल्कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के लोनी, गाजियाबाद और नोएडा से भी लोग यहां इलाज के लिए आते हैं। इन दिनों स्वामी दयानंद अस्पताल को कोविड-19 केयर सेंटर बनाया गया है। कोविड के अलावा गर्भवती महिलाओं और बच्चों का इलाज किया जा रहा है, जबकि अन्य बीमारियों के मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। कोविड महामारी अभी जारी है और तीसरे चरण में इसका कहर बच्चों पर होने की संभावना जताई जा रही है।

निगमायुक्त विकास आनंद का कहना है कि अस्पताल में तैयारियों को लेकर वार्ड नंबर चार तथा पांच में सिविल वर्क्स तथा मरम्मत का कार्य चल रहा है। मरम्मत का कार्य पूरा होते ही वार्डों में मेडिकल उपकरणों का काम कराया जाएगा। साथ ही अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए 30 जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर, दो सीनियर रेजिडेंट डाक्टर के अलावा 60 नर्सों की भर्ती की जाएगी। नर्सों की भर्ती प्रकिया का काम शुरू कर दिया गया है।

इस संबंध में पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर निर्मल जैन का कहना है कि कोविड-19 से संबंधित सभी डॉक्टर्स, एएनएम नर्सों और अन्य पैरा-मेडिकल स्टाफ के रुकने की व्यवस्था भी की जा रही है और ताकि कोरोना महामारी में उक्त सभी को सुरक्षित रखा जा सके।

*नई दिल्ली में आनंद विहार बस टर्मिनल पर एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता कोविड -19 परीक्षणों के लिए स्वाब का नमूना लेते हुए।*

## जीएनसीटीडी संशोधन कानून रद्द करने के लिए जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में उपराज्यपाल की शक्तियां बढ़ाने वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार जीएनसीटीडी संशोधन कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में केंद्र सरकार द्वारा जारी इस संशोधन कानून को रद्द करने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस डी.एन. पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल कार्यालय को नोटिस जारी जवाब मांगा है। बेंच ने एक वकील की ओर से दाखिल याचिका पर यह आदेश दिया है। इससे पहले दिल्ली सरकार की ओर से स्थायी वकील संतोष त्रिपाठी ने इस याचिका का तकनीकी पहलुओं के आधार पर विरोध किया। त्रिपाठी ने बेंच से कहा कि याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसमें दिल्ली की चुनी हुई सरकार को पक्षकार नहीं बनाया गया

है। उन्होंने याचिका को आधारहीन बताते हुए इसे खारिज करने की मांग की है। बेंच ने यह आदेश विश्वनाथ अग्रवाल की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने बेंच को बताया कि केंद्र द्वारा संशोधित कानून से लोगों में इस बात को लेकर भ्रम फैलेगा कि राजधानी में निर्णय कौन लेगा, उपराज्यपाल या चुनी हुई सरकार। इसके साथ ही यह भी कहा है कि उपराज्यपाल की शक्ति बढ़ाना लोकतांत्रक सरकार के लिए उचित नहीं है। याचिका में यह तर्क दिया गया है कि उपराज्यपाल में शक्तियों का निहित होना, सरकार की गणतंत्र प्रणाली के अनुरूप नहीं होगा। इसमें कहा गया है कि उपराज्यपाल के पास पहले से ही भूमि, पुलिस और सेवाओं के मामलों में निर्णायक शक्तियां थीं और जीएनसीटीडी एक्ट में नए संशोधन के द्वारा अब उनके पास दिल्ली विधानसभा द्वारा पारित सभी कानूनों पर भी निर्णय लेने का अधिकार है। याचिका में 27 अप्रैल को केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए संशोधित कानून को रद्द करने की मांग की गई है। इससे पहले भी हाईकोर्ट ने इस कानून को रद्द करने की मांग पर केंद्रीय गृह मंत्रालय, विधि एवं न्याया मंत्रालय से जवाब मांगा था। अब दोनों याचिका पर हाईकोर्ट में 4 जून को एक साथ सुनवाई होगी। इससे पहले बेंच ने सभी पक्षकारों को अपना जवाब देने को कहा है।

# संपादकीय

## सिर्फ फौरी उपाय नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा को निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रवासी मजदूरों को अनाज, परिवहन और पका भोजन उपलब्ध कराने के लिए कम्युनिटी किचन बनवाएं। इस आदेश का आशय है कि इन सब के लिए प्रवासी कामगारों को परिचय पत्र आदि दिखाने के लिए बाध्य ना किया जाए। प्रवासी कामगारों के मसले पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेकर आदेश पारित करने पड़ें, इससे तो साफ होता है कि राज्य सरकारों का ध्यान प्रवासी कामगारों की दशा या दुर्दशा पर नहीं जा रहा है। दरअसल, तमाम राज्य सरकारें इस समय कोरोना पर इस कदर केंद्रित हैं कि किसी और विषय पर उनका ध्यान नहीं जा रहा। ऑक्सीजन, अस्पतालों के इंतजाम या बदइंतजामी से घिरीं राज्य सरकारों को सिवाय कोरोना से लड़ने के कुछ और नहीं सूझ रहा। पर दूसरे मसले बराबर बने हुए हैं। दुखद यह है कि जो समस्याएं गत वर्ष देखी गई थीं, लगभग वैसी ही समस्याएं प्रवासी कामगारों की इस साल भी देखी गइफा अचानक लॉकड़ाउन की घोषणा, फिर प्रवासी कामगारों में भगदड़ग अपने गांव जाने की जल्दबाजी। इससे यही साबित होता है कि प्रवासी कामगारों को यकीन ही नहीं हो पा रहा है कि ठप कारोबार या ठप फैक्ट्रियों के दौर में उनके मकान मालिक उनके साथ बेहतर सलूक करेंगे या तमाम राज्य सरकारों की तरफ से उन्हें कुछ न्यूनतम सहायता राशि मिल पाएगी। कुल मिलाकर यह कि प्रवासी कामगारों को सरकारी घोषणाओं में भरोसा नहीं है। अविश्वास बहुत गहरा है। सरकारें दे दनादन घोषणाएं कर देती हैं, फिर उनको अमली जामा पहनाने का इंतजाम जिस तंत्र के पास होता है, वह अपनी तरह से कम करता है। हाल यह हो जाता है कि कागजों पर सब होता दिखता है और जमीन की सचाई कुछ अलग होती है। कोरोना को अब ऐसी चुनौती के तौर पर लिया जाना चाहिए जो निकट भविष्य में भी हमारे बीच मौजूद रहेगी यानी कोरोना से प्रवासी कामगारों के लिए जो चुनौतियां पैदा होती हैंग उनसे निपटने के लिए दीर्घकालीन नीति की दरकार होगी। समस्या लंबी खिंच रही हो, तो फिर उसके लिए सुचिंतित नीति जरूरी होती हैग सिर्फ फौरी उपायों से बात नहीं बनेगी। हर राज्य सरकार के पास यह नीति होनी चाहिए। समझा जाना चाहिए कि भले ही प्रवासी कामगार किसी शहर में स्थायी तौर पर ना भी रहते हों पर अर्थव्यवस्था में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण होता है।

## टीका रणनीति स्पष्ट हो

ऐसे वक्त पर जब देश कोरोना संकट की दूसरी भयावह लहर से जूझ रहा है, संकट में उम्मीद की किरण बने टीके को लेकर उठते विवाद परेशान करने वाले हैं। दिल्ली समेत कई राज्यों में टीकाकरण केंद्र बंद करने की बातें, पर्याप्त वैक्सीन न मिलने पर युवाओं के लिये समय से टीकाकरण शुरू न होने की खबरें बता रही हैं कि शायद नया चरण बिना तैयारी के ही शुरू कर दिया गया है। ऐसा लगता है कि अपनी वैक्सीन खोज लेने और कोविशील्ड का भारत में समय रहते उत्पादन शुरू करने के बावजूद हम इस अभियान में अदूरदर्शिता के चलते पिछड़ गये हैं। कोविशील्ड की दूसरी डोज के समय में दूसरी बार बदलाव बता रहा है कि हमारे पास पर्याप्त वैक्सीन का अभाव है। इससे न केवल देश में टीकाकरण अभियान में बाधा पहुंचेगी बल्कि हम विश्व बाजार में पिछड़ जायेंगे। निस्संदेह देश के कई राज्य टीके की कमी से जूझ रहे हैं। दरअसल, 18 से 44 आयु वर्ग की बड़ी तादाद को हम टीका उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं हैं। कहीं न कहीं ये कमी हमारी दूसरी लहर के खिलाफ जारी लड़ाई को कमजोर करती है। यह भी हकीकत है कि दूसरी लहर में संक्रमितों की आधी आबादी देश की कर्मशील व युवा आबादी ही है, जिसके लिये टीकाकरण अभियान तेज करना वक्त की जरूरत है। ऐसे में टीके की कमी को पूरा करने के लिये जरूरी है कि स्वदेशी कंपनियों के साथ ही विदेशों से दूसरे टीकों का आयात किया जाए ताकि टीकाकरण अभियान में गति आये। इसके चलते कई राज्य अपने यहां टीका लगाने के लिये ग्लोबल टेंडर दे रहे हैं। किसी राष्ट्र पर आयी ऐसी आपदा के मुकाबले के लिए किसी देश में वैक्सीन अलग-अलग राज्यों द्वारा मंगाये जाने के उदाहरण सामने नहीं आते। जाहिर -सी बात है कि जब राज्य किसी कंपनी से अलग-अलग बातचीत करेंगे तो उन्हें ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। वहीं दूसरी ओर यदि एक साथ वैक्सीन खरीदी जायेगी तो बड़ी मात्रा में खरीद से लागत को प्रभावित किया जा सकता है। कुछ राज्य कह भी रहे हैं कि टीका खरीद केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। वहीं केंद्र की दलील है कि राज्यों ने वैक्सीन खरीद में स्वायत्तता की बात कही थी। ऐसे वक्त में जब देश बड़े संकट से गुजर रहा है, देशवासियों की सेहत की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार ने हाल में वैक्सीन को लेकर कुछ कदम उठाये हैं और नयी गाइड लाइन भी जारी की है। यदि केंद्र टीका आयात करने का फैसला लेता है तो इससे देश को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। जिसके चलते फिर फिलहाल वैक्सीन की कमी से जो टीकाकरण अभियान प्रभावित हो रहा है, उसमें गति आयेगी। युवा वर्ग हमारा बड़ा वर्ग तो है ही, साथ ही यह देश की कर्मशील आबादी भी है। इसकी सामाजिक सक्रियता भी ज्यादा है जो संक्रमण की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील भी है। इसे सुरक्षा कवच देना पूरे देश को सुरक्षा प्रदान करना है। तभी हम समय रहते टीकाकरण के लक्ष्यों को हासिल कर पायेंगे। केंद्र को भी शीर्ष अदालत को किये गये उस वायदे को पूरा करना चाहिए, जिसमें राज्यों को टीका देने की योजना में विषमता को दूर करने की बात कही गई थी। दरअसल, कोरोना संकट की दूसरी लहर के बाद लोगों को अहसास हो गया है कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये टीका लगाना जरूरी है। इसलिये पहले चरण में जो लोग टीका लगाने में ना-नुकुर कर रहे थे, वे भी अब टीका लगाने को आगे आ रहे हैं। टीकाकरण अभियान की सफलता के लिये जागरूकता जरूरी है। जब तक हम देश की सत्तर-अस्सी फीसदी आबादी को टीका नहीं लगा लेते तब तक नयी-नयी लहरों का सामना करना हमारी नियति होगी। इस मायने में केंद्र सरकार को व्यावहारिक, उदार व संवेदनशील टीका नीति के साथ आगे आना चाहिए। इसमें टीके का उत्पादन बढ़ाने के लिये भारतीय कंपनियों को प्रोत्साहित करने और राज्य में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की जरूरत है।

प्रवीण कुमार सिंह

# चीन की चाल, दुनिया बेहाल

कोरोना दुनिया के हाथ लगी ऐसी पहेली बन गया है, जिसके बारे में जितने जवाब मिलते हैं, उससे कहीं ज्यादा नये सवाल इसके साथ जुड़ जाते हैं।

ऐसा ही एक तजुर्बा कोरोना की 'पैदाइश' से जुड़ गया है। कड़ी मशक्कत के बाद इसकी 'जन्मभूमि' की तलाश तो पूरी हो गई, लेकिन लगता है कि इस खोजबीन ने कोरोना के जन्म से जुड़े एक ऐसे राज को बेपर्दा कर दिया है, जो किसी गहरी साजिश का इशारा है।

कोरोना दुनिया में कैसे आया, इसे लेकर पिछले एक साल में जितने मुंह, उतनी बातें सुनी गई हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर यही बताया गया कि चीन में जन्मा यह वायरस शायद चमगादड़ से इंसानों में किसी अन्य जानवर के माध्यम से आया होगा। इस तथ्य तक पहुंचने के लिए दुनिया की सर्वोच्च स्वास्थ्य संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम ने चीनी वैज्ञानिकों के साथ कोरोना ब्लास्ट के शुरु आती केंद्र वुहान में करीब चार हफ्ते का वक्त बिताया। डब्ल्यूएचओ ने भले ही वुहान की लैब से कोरोना वायरस के निकलने की थ्योरी को खारिज नहीं किया, लेकिन इस संभावना को कभी खास तवज्जो भी नहीं दी।

इसके बावजूद चीन को लेकर पश्चिमी देशों का संदेह दूर नहीं हो सका, खासकर वो अमेरिका के रडार पर लगातार बना रहा। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में यह मसला बार-बार उठा और डोनाल्ड ट्रंप इसे चीनी वायरस का तमगा देते रहे। चीन भी एशियाई विरोध की आड़ लेकर सवालों से बचता रहा और बात आई-गई होती रही, लेकिन अब यह बात निकलकर सामने आ रही है कि अमेरिका और यूरोप समेत पश्चिमी देशों की शंका गलत नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया से आए नये सबूतों ने इस शंका को और गहरा कर दिया है। हालांकि इन सबूतों का स्रोत भी पहले की ही तरह अमेरिकी ही है, लेकिन इस बार सामने आई जानकारी ज्यादा विसनीय दिखाई दे रही है। 'द ऑस्ट्रेलिया' अखबार ने अमेरिकी अधिकारियों के हाथ लगे कुछ चीनी खुफिया दस्तावेजों को आधार बनाते हुए संदेह जताया है कि साल 2019 में सामने आया कोरोना वायरस दरअसल चीन का एक जैविक हथियार हो सकता है, जिसकी तैयारी साल 2015 में ही शुरू हो चुकी थी जैसा कि उसके खुफिया दस्तावेज में जिक्र मिलता है। पूरी तैयारी तीसरे विश्व युद्ध को लेकर है, जिसे चीन पारंपरिक हथियारों के बजाय जैविक हथियारों से जीतने का सपना बुन रहा है।

बेशक इतने खुले तरीके से नहीं, लेकिन चीन की इस योजना के बारे में अमेरिका पहले भी समय-समय पर दुनिया को आगाह करता रहा है, लेकिन इस जानकारी का इस तरह सार्वजनीकरण पहली बार हो रहा है। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलियाई अखबार में अमेरिकी अधिकारियों को आधार बनाकर हुए इस खुलासे पर अमेरिका ने अब तक किसी तरह का स्पष्टीकरण न देकर एक तरह से उसे मौन स्वीकृति ही दी है। चीन ने जरूर प्रतिक्रिया देते हुए ऐसी किसी भी योजना को खारिज किया है, लेकिन इस ताजा खुलासे ने उस आग को एक बार फिर हवा दिखा दी है, जिसकी तपिश में पूरी दुनिया सुलग रही है। इस पर यकीन करने की एक और वजह चीन की मशहूर वैज्ञानिक और महामारी विशेषज्ञ ली मेंग येन ने दी है, जिनके मुताबिक अमेरिकी खुफिया एजेंसी की एक-एक जानकारी पूरी तरह दुरूस्त है। येन के अनुसार चीन तीसरे विश्व युद्ध की तैयारी में जुटा है और कोरोना वायरस उसकी सेना पीएलए की लैब से ही निकला जैविक हथियार है। येन का यह भी दावा है कि साल 2019 में वुहान में कोरोना लीक होने के कारण नहीं फैला था, बल्कि पीएलए ने इसका ट्रायल किया था और इसके बेलगाम हो जाने के कारण वुहान में हालात खराब हो गए थे।

कोरोना का जैविक हथियार होने का दावा कई पैमानों पर सच लगता है। चूंकि इसके बारे में चीन की सरकार को सब कुछ पहले से पता रहा होगा, इसीलिए चीन ने इसके प्रसार को तुरंत रोक लिया। इस वायरस का एक लक्ष्य स्वास्थ्य सेवाओं को नुकसान पहुंचाकर और अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दुश्मन देशों को घुटने पर लाने का भी बताया जा रहा है। चीन काफी हद तक इसमें सफल भी रहा है। वैसे तो गिने-चुने देशों को छोड़कर ज्यादातर देश को चीन अपना दुश्मन ही मानता है, लेकिन आज के दौर में उसकी आंखों में खटकने वाले दो अग्रणी देश भारत और अमेरिका ही हैं। बेशक यह दोनों ही देश चीन की तरह आबादी और क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े देशों में शुमार हैं, लेकिन केवल इसी तथ्य के आधार पर इन्हीं दो देशों में कोरोना की सबसे बड़ी मार का पड़ना केवल संयोग नहीं हो सकता। अपने लाखों नागरिकों के बलिदान के साथ ही दोनों देशों को आर्थिक मोर्चे पर भी बड़ी कुर्बानी देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इसका असर कोरोना से बच कर जीवित रह गए लोगों पर पड़ रहा है, जबकि इसके ठीक उलट चीन की अर्थव्यवस्था आश्चर्यजनक रूप से काफी कम समय में पुरानी चमक-दमक वाली हालत में पहुंच गई है। पिछले साल बेहद खराब शुरु आत के बावजूद चीन अर्थव्यवस्था में वृद्धि करने वाला इकलौता देश रहा। हालांकि यह वृद्धि 2.3 फीसद रही, जो दशकों में सबसे खराब थी, लेकिन साल 2021 की पहली तिमाही आते-आते सबकुछ बदल गया। चीन ने 1992 के बाद अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी उछाल दर्ज करते हुए पिछले साल की तुलना में 18.3 फीसद की बढ़ोतरी हासिल कर ली। अगर यह केवल चीन की मेहनत का ही नतीजा है तब तो उसे बहुत पहले दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाना चाहिए था।

बहरहाल, यह नया खुलासा चीन को कटघरे में खड़ी करने वाली बहस को नई दिशा देने का काम करेगा। बेशक दुनिया के ध्रुवीकरण के बीच एशियाई विरोधी भावना को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि महामारी के बीच चीन के खिलाफ उठने वाली सभी आवाजें उसके दुश्मन देशों से ही उठी हों। कई चीनी वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकर्मियों, पत्रकारों और नागरिकों ने अपनी जान का खतरा उठाते हुए कोरोना के प्रसार को लेकर दुनिया से ऐसी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं, जो चीन की चालबाजियों से पर्दा उठाती हैं। इन जानकारियों को महज स्रोत की वजह से खारिज करने का कोई आधार नहीं बनता। ऐसे में डब्ल्यूएचओ से लेकर संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठनों की जिम्मेदारी बनती है कि इस चुनौतीपूर्ण समय में वो अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए सामने आए और मानवता को बचाने की अपनी जिम्मेदारी का फर्ज निभाए।

> बेशक दुनिया के ध्रुवीकरण के बीच एशियाई विरोधी भावना को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि महामारी के बीच चीन के खिलाफ उठने वाली सभी आवाजें उसके दुश्मन देशों से ही उठी हों। कई चीनी वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकतमयों, पत्रकारों और नागरिकों ने अपनी जान का खतरा उठाते हुए कोरोना के प्रसार को लेकर दुनिया से ऐसी महद्मवपूर्ण जानकारियां साझा की हैं, जो चीन की चालबाजियों से पर्दा उठाती हैं। इन जानकारियों को महज स्रोत की वजह से खारिज करने का कोई आधार नहीं बनता.

# फिलिस्तीन में अंतहीन अन्याय

पूरा दुनिय इस समय कोरोना महामारी से जूझ रही है। उसी समय पश्चिम एशिया में इजराइल और फिलिस्तीन विवाद का पुराना नासूर तिहत्तर साल बाद भी यह क्षेत्र युद्ध संघर्ष और आतंकवादी हमलों की चपेट में रहा है। हाल के वर्षो में इजराइल और इस इलाके के अरब देशों के बीच कोई युद्ध नहीं हुआ, लेकिन आंतरिक रूप से फिलिस्तनियों और यहूदियों के बीच छोटा-बड़ा संघर्ष जारी रहा। इजराइल ने सैनिक और राजनीतिक दृष्टि से इस क्षेत्र पर अपना वर्चस्व कायम रखा, लेकिन वह फिलिस्तीनियों के प्रतिरोध को कुचलने में नाकाम रहा। उन्सीस सौ अड़तलीस में यहूदियों के देश के रूप में इजराइल अस्तित्व में आया, जिसे दुनिया में यहूदियों के साथ अतीत में हुए अन्याय और अत्याचार की क्षतिपूर्ति माना गया, लेकिन एक जातीय समूह को न्याय दिलाने के प्रयास में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने एक-दूसरे जातीय समूह फिलिस्तीनियों के साथ भारी अन्याय किया। फिलिस्तीनियों को अपना घर-बार छोड़कर जाने के लिए मजबूर किया गया। कालांतर में इजराइल ने उसके लिए निर्धारित भू-भाग में लगातार विश्वस्तार जारी रखा और फिलिस्तीनी परिवारों को बार-बार अपनी जन्मभूमि पर शरणार्थी होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

रमजान के पवित्र महीने में यरूशलम में हुए घटनाक्रम की भी यही पृष्ठभूमि है। यरूशलम को अंतरराष्ट्रीय बिरादरी इजराइली कब्जे वाला क्षेत्र मानती है, लेकिन अमेरिका के शह पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तेल अवीव की बजाय यरूशलम को देश की नई राजधानी घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने पूर्वी यरूशलम में नई यहूदी बस्तियों के निर्माण का काम तेज कर दिया है। फिलिस्तीन परिवार बेदखल होने के कगार पर है। इसी के विरुद्ध महीनों और वर्षो से बढ़ रहा फिलिस्तीन असंतोष के ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है। फिलिस्तीन के पश्चिमी किनारे और गाजा पट्टी का नेतृत्व क्रमशः नरमपंथी और उग्रपंथी के हाथों है। पश्चिमी किनारे पर यदि फिलिस्तीन पत्थरों से इजराइली सेना को चुनौती दे रहे हैं तो गाजा पट्टी से हमास इजराइली शहरों पर मिसाइल हमले कर रहा है। हमास के हमलों में इजराइली पक्ष के मरने वालों की संख्या इकाई में है जबकि फिलिस्तीनियों की हताहतों की संख्या सैकड़ों में है। आश्चर्य की बात यह है कि इजराइल का यह आपराधिक बल प्रयोग उस समय हो रहा है जब प्रमुख अरब और मुस्लिम देश इजराइल के साथ कूटनीतिक संबंध बना रहे हैं। बड़े देशों का मुख्य सरोकार यह है कि इस घटनाक्रम से उनके राष्ट्रीय हितों पर चोट न आए।

भारत हमेशा से फिलिस्तीन के लोगों का समर्थक रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के साथ भारत के राजनीतिक, सैनिक और कूटनीतिक संबंधों को नई ऊंचाइयां दी है, लेकिन भारत फिलिस्तीनी क्षेत्रों में मानवीय और विकास परियोजनाओं में सक्रिय रूप से मदद कर रहा है। दुर्भाग्य की बात यह है कि 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' के कूटनीतिक दौर में मानवीय आधार पर सहायता को तवज्जो नहीं दी जाती। अफगानिस्तान में भारत के ऐसे ही प्रयासों का उसे उचित प्रतिफल नहीं मिलता। यह भी एक सचाई है कि फिलिस्तीन का दशकों तक समर्थन करने के बावजूद भारत कश्मीर के मुद्दे पर मुस्लिम और अरब देशों का समर्थन हासिल नहीं कर पाया, जबकि दूसरी ओर इजराइल ने पाकिस्तान के विरुद्ध युद्धों और आतंकवाद विरोधी प्रयासों में भारत की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद की।

मौजूदा संघर्ष में इस बार एक नया घटनाक्रम भी सामने आया। इजराइल के प्रमुख शहरों में जातीय और सांप्रदायिक दंगे हुए। इजराइल में फिलिस्तीन मूल की जनसंख्या बीस-पचीस फीसद है। आम तौर पर ये लोग खुद को इजराइली मानते हैं। फिलिस्तीन क्षेत्र में रहने वाले अपने भाई-बंधुओं के साथ भले ही वे भावनात्मक रूप से सहानुभूति रखते हों, लेकिन इसका खुला इजहार नहीं करते, लेकिन इस बार इजराइल के फिलिस्तीनी भी सड़कों पर उतर आए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार गाजा पट्टी में हिंसा का जैसा तांडव हो रहा था उससे कम इजराइल के अपने शहरों में नहीं था। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस अंतोष को आतंकवाद की संख्या दी है लेकिन यथार्थ यह है कि बड़ी आबादी वाले अल्पसंख्यक समूह को जोर-जर्बदस्ती से दबाकर नहीं रखा जा सकता। इजराइल की लोकतांत्रिक प्रणाली में तो यह और भी मुश्किल है।

## पॉजिटिव होते ही दिन में तारे दिखना

ज्ञानीजन सीख दे रहे हैं कि पॉजिटिव रहो। अरे यार इतने लोग तो पॉजिटिव हो रहे हैं। थोड़ा नेगेटिव रह लो। जान बच जाएगी। ऐसा दौर आया है साहब कि जिसे देखो,वही पॉजिटिव है। फिर भी लोगों को तसल्ली नहीं हो रही। कह रहे हैं थोड़ा पॉजिटिव रहो। भैया थोड़े दिन पॉजिटिव रह लिए, फिर तो सदा के लिए भी नेगेटिव हो सकते हो। इससे तो अच्छा है कि पहले ही नेगेटिव रह लो। नेगेटिव रहने के नुकसान तो मानसिक ही होंगे पर पॉजिटिव होने के नुकसान तो शारीरिक, मानसिक सब हो जाते हैं।

जनाब पता है न पॉजिटिव होते ही धुकधुकी शुरू हो जाती है, बेचैनी बढ़ जाती है, चिंता खाने लगती है। पॉजिटिव होते ही दवाओं की तड़प बढ़ जाती है। अस्पतालों में जगह ढूंढनी पड़ती है। अंटी ढीली होने लगती है। प्राइवेट अस्पतालों में तो पॉजिटिव होते ही लाखों रुपये का बिल आ जाता है। जी नहीं, पॉजिटिव होते ही प्राइवेट अस्पतालों में जाने का कोई शौक नहीं चढ़ता। मजबूरी होती है। क्योंकि सरकारी अस्पताल सरकार ने बनवाए ही नहीं। ऊपर से यह आग्रह भी है कि पॉजिटिव बने रहो। अब यह कौन बताए कि भैया पॉजिटिव होते ही सांस चढ़ जाती है, सांस फूल जाती है और ऑक्सीजन है नहीं। पॉजिटिव होते ही दिन में तारे नजर आ जाते हैं।

फिर भी न जाने क्यों आग्रह यही है कि पॉजिटिव रहो। सरकार कहती है कि पॉजिटिव रहो। सरकार के समर्थक कहते हैं कि पॉजिटिव रहो। जरा-सा नेगेटिव होते ही वे रामदेव की तरह भड़क जाते हैं-अरे ऑक्सीजन से पूरा ब्रह्मांड भरा पड़ा है बावले, ले तो ले। मुफ्त में मिल रहा है। नहीं तो मेरी कोरोनिल तो है ही। लेकिन उनकी दवा मुफ्त नहीं बावले और न ही उनका अस्पताल मुफ्त है बावले। जरा-सा नेगेटिव होते ही सरकार के कामकाज पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। लेकिन क्या करें साहब पॉजिटिव होते ही आदमी के कामकाज पर क्या, पूरे आदमी पर, उसके परिवार पर, सब पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। नेगेटिव-नेगेटिव तो मिलकर पॉजिटिव भी हो सकते हैं लेकिन पॉजिटिव होकर नेगेटिव होने के भारी खतरे हैं जनाब।

# सुनहरी आभा और विवादी सुर

कोराना के कारण सारे ही आयोजन बंद हैं। विख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के जन्मशताब्दी की धूम भी देश-विदेश में जिस प्रकार होनी चाहिए थी, नहीं हो सकी।

वे इस मामले में अग्रणी थे कि उन्होंने हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को विदेश में लोकप्रिय किया। उनके बाद कलाकारों के विदेश में कार्यक्रमों का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह बढ़ता ही गया। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित कलाकार वर्ष के कई महीने विभिन्न देशों में बिताते हैं, वहां उनके शिष्य-शिष्याएं और व्यापक प्रशंसक वर्ग भी है। इन सबके लिए पंडित रविशंकर का आभारी होना चाहिए।

पंडित रविशंकर की जन्म शताब्दी पिछले महीने (सात अप्रैल) समाप्त हो गई। सार्वजनिक उत्सव बहुत नहीं हो सके, लेकिन रचना जगत में भी ऐसे अवसरों के उत्सव होते ही हैं और कई बार तिथियों के बाद भी उनका क्रम बना रहता है। संगीत नाटक अकादमी (दिल्ली) और उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (लखनऊ) ने अपनी पत्रिकाओं के अंक उन पर एकाग्र किए हैं। पंडित रविशंकर पर ढेरों लेखों, साक्षात्कारों और चित्रों से युक्त 'संगना' और 'छायानट' के ये विशेषांक जल्द ही पाठकों तक पहुंचने वाले हैं। इसी वर्ष एक उपन्यास भी आया है जो बाबा अलाउद्दीन खान, उनकी बेटी अन्नपूर्णा देवी और बेटे अली अकबर खान के जीवन को केंद्र में रखकर चलता है। हालांकि रणोन्द्र के इस 'गूंगी रुलाई का कोरस' नामक उपन्यास में इन कलाकारों के नाम बदले हुए हैं, लेकिन कई सारी घटनाएं ऐसी हैं, जिन्हें आसानी से पहचाना और सच्ची घटनाओं से जोड़कर देखा जा सकता है। उपन्यास के ऐसे ही कई हिस्से पंडित रविशंकर के अन्नपूर्णा देवी और बेटे शुभेन्द्र से लेकर रिश्ते को भी है। सितार के जरिए भारतीय संगीत को एक नये ढंग से व्याख्यायित करने वाले रविशंकर सच्चे अथरे में सांस्कृतिक राजदूत थे। उन्हीं के माध्यम से भारतीय संगीत विश्व के ढेर सारे देशों में लोकप्रिय हो सका। पाश्चात्य संगीत से जुगलबंदी की भी उन्होंने नई मिसालें बनाई। बहुत सारे विदेशी कलाकारों के साथ बजाया लेकिन भारतीय संगीत की गरिमा कम नहीं होने दी। जुबिन मेहता, येहूदी मेन्यूहिन जैसे कलाकारों के साथ उनकी जुगलबंदी को खूब याद किया जाता है। उनकी लोकप्रियता ऐसी थी कि व्यापक विदेशी समुदाय हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का दीवाना बन गया। भारतीय कलाकारों का बड़ा वक्त विदेश में बीतने लगा, अकादमियां खुलने लगीं, ढेर सारा पैसा आने लगा। यह दीवानगी आज तक बनी हुई है। पंडित रविशंकर ने कई सारे शिष्य तैयार किए। कर्नाटक संगीत के बहुत सारे रागों और तालों को हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में लोकप्रिय किया, नये राग बनाए, फिल्मों में सगीत दिया। वे बहुत ही प्रयोगशील और हमेशा कुछ-न-कुछ नया करते रहने वाले कलाकार थे, लेकिन पहली पत्नी अन्नपूर्णा देवी और बेटा शुभेन्द्र शंकर पंडित रविशंकर के जीवन के वे अध्याय हैं जो किसी दाग की तरह उनकी आभा को कम करते हैं। रविशंकर बाबा के शिष्य थे और वहीं उनका अन्नपूर्णा देवी से विवाह हो गया। दोनों के साथ कार्यक्रम होने लगे। कहते हैं कि अन्नपूर्णा देवी को अधिक प्रशंसा मिलने लगी और यहीं पंडित रविशंकर के मन में ईर्ष्या का जन्म हुआ। अन्नपूर्णा देवी ने सार्वजनिक प्रदर्शन बंद कर दिए। फिर भी रिश्ता सुधर न सका और फिर दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया। इस पूरी कथा के साथ आप बासु चटर्जी की फिल्म 'अभिमान' को याद कर सकते हैं। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिभा का संगीत जगत कायल था। उस्ताद अमीर खान ने एक बार कहा था, अन्नपूर्णा देवी में बाबा अलाउद्दीन खान 80 प्रतिशत, अली अकबर में 70 प्रतिशत और रविशंकर में 40 प्रतिशत हैं। खुद अन्नपूर्णा देवी के भाई उस्ताद अली अकबर खान मानते थे, रविशंकर, पन्नालाल घोष और मुझे एक तरफ तथा अन्नपूर्णा देवी को दूसरी तरफ रखें तो भी अन्नपूर्णा देवी का संगीत अधिक श्रेष्ठ माना जाएगा।

याद करते चलें कि पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, निखिल बनर्जी, नित्यानंद हल्दीपुर जैसे विख्यात कलाकार, समाज से खुद को बिल्कुल काट लेने वाली अन्नपूर्णा देवी के ही शिष्य हैं, लेकिन यह अन्नपूर्णा देवी से पंडित रविशंकर के रिश्ते का अंत नहीं था। रविशंकर और अन्नपूर्णा देवी के अलग होने पर शुभेन्द्र मां के साथ ही रह गए थे और मां ने उन्हें संगीत की विधिवत शिक्षा शुरू कराई थी। यह संगीत सुनकर पं. रविशंकर ने बेटे को अमेरिका ले जाने की योजना बनाई लेकिन मां तैयार नहीं थी क्योंकि अभी कुछ वर्षो की शिक्षा शेष थी। ऐसे घटनाक्रम हुए कि शुभेन्द्र पिता के साथ अमेरिका चले गए, तालीम अधूरी रह गई। कई वर्षो बाद पुणो में पिता के साथ हुए कार्यक्रम में उनकी इस बात के लिए आलोचना हुई कि उनका संगीत अब पहले जैसा नहीं रहा। शुभेन्द्र यह तय कर लौटे कि वे फिर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को फिर समय देंगे लेकिन ऐसा हो न सका। बीमार हुए और फिर 50 की उम्र में ही उनका निधन हो गया। पंडित रविशंकर को याद करते हुए हमें इन सारी बातों की भी याद आती है!

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

## संक्षिप्त खबर

### ग्वालियर : बायोमेडिकल वेस्ट पर 52 अस्पतालों को नोटिस

**ग्वालियर।** अस्पताल में कोरोना मरीजों के उपचार में इस्तेमाल बायोमेडिकल वेस्ट का वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन आवश्यक होता है। लेकिन शहर के 52 अस्पतालों द्वारा लापरवाही की है। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने इन अस्पतालों को नोटिस के जरिए निर्देश दिए थे। मंगलवार को स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने इन अस्पतालों को नोटिस जारी कर जबाव मांगा है। जबाव संतुष्टीप्रद नहीं होने पर सख्त कार्यवाही होगी। शासन की गाइडलाइन का उल्लंघन कर शहर के अनेक हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम बायोमेडिकल वेस्ट का प्रॉपर डिस्पोजल नहीं कर रहे हैं। बाय मेडिकल वेस्ट खुले में डालने की शिकायत मिल रही है जिसको लेकर निगमायुक्त श्री वर्मा के निर्देश पर ननि के स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच करके 52 चिकित्सालय को नोटिस जारी कर प्रॉपर डिस्पोजल करने के निर्देश दिए हैं।

### इंदौर : छात्रा गरिमा को मिली 2.40 करोड़ की स्कॉलरशिप

**इंदौर।** शहर की छात्रा गरिमा दुबे ने अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए 2 करोड़ 40 लाख रुपए की स्कॉलरशिप हासिल की है। ये स्कॉलरशिप चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के लिए दी जाएगी। लोकमान्य विद्या निकेतन की कक्षा 12वीं की छात्रा गरिमा को अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय डार्टमथ ने अंग्रेजी भाषा के शोधपरक अध्ययन के लिए 2.40 करोड़ की स्कॉलरशिप देने का फैसला किया है। स्कूल के प्राचार्य सचिन भाटे ने बताया कि गरिमा वर्ष 2021 में इस विवि में पूर्ण छात्रवृत्ति हासिल करने वाली भारत की एकमात्र विद्यार्थी हैं। गरिमा के पिता मनीन्द्र कुमार दुबे आकाशवाणी के इंदौर संवाददाता के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनकी माता रागिनी दुबे अध्यापन कार्य से जुड़ी हैं। गरिमा को वर्ल्ड लिटरेसी फाउंडेशन ने भारत में अपना एंबेसडर नियुक्त किया है।

### खरगोन : सड़क दुर्घटना में स्टाफ नर्स और एएनएम मृत, दो घायल

**खरगोन।** जिले के बलकवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुकुंदपुरा के समीप मंगलवार दोपहर कार और जीप की टक्कर में जिला अस्पताल बड़वानी में पदस्थ एक स्टाफ नर्स और एक एएनएम की मृत्यु हो गई जबकि एक नर्स समेत दो अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना में 35 वर्षीय एएनएम सुलोचना यादव और 62 वर्षीय स्टाफ नर्स निर्मला राठौड़ की मृत्यु हो गई, जबकि कार चला रही स्टाफ नर्स प्रियंका राठौर और 16 वर्षीय तनिशा घायल हो गई। घायलों को ठीकरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से उन्हें इंदौर रेफर किया गया है। बड़वानी जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ अरविंद सत्या ने बताया कि तीनों शासकीय सेवक उनकी जानकारी के बगैर अनुपस्थित थीं। उन्होंने अवकाश का आवेदन भी नहीं दिया था।

### कटनी : एसआई व एएसआई अवैध वसूली पर लाइन अटैच

**कटनी।** लॉकडाउन के दौरान लोगों की मदद करने की बजाय लोगों को वर्दी का रौब दिखाकर अवैध वसूली करने के आरोप में पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने स्लीमनाबाद थाने में पदस्थ एक उपनिरीक्षक व एक सहायक उपनिरीक्षक को लाइन अटैच कर दिया है। इस संबंध में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील रतन गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को एक शिकायत दी थी। जिसमें स्लीमनाबाद थाने में पदस्थ सीताराम बागरी व सहायक उपनिरीक्षक कोदूलाल दाहिया पर धारा 188 के तहत कार्रवाई करने की धौंस देकर लोगों से अवैध वसूली करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद एसपी श्री अवस्थी ने शिकायत को गंभीरता से लिया और जांच कराकर दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच करने के आदेश दिए।

### बड़वानी : फिलीस्तीन और इजरायल की पोस्ट पर विवाद

**बड़वानी।** जिले के पलसूद कस्बे में फिलीस्तीन और इजरायल के मध्य विवाद संबंधी पोस्ट शेयर करने के उपरांत दो पक्षों में मारपीट के चलते अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एसडीओपी पदम सिंह बघेल ने बताया कि वरुण ने 11 मई को फिलिस्तीन-इजराइल को लेकर सोशल मीडिया पर वरूण राठौर ने वीडियो शेयर किया था। इस पर आपत्ति आने के बाद उसने अगले दिन एक वीडियो जारी कर माफी मांग ली थी। सोमवार रात जब वह बड़े भाई मोहित के साथ घूमने गया तो हथियारबंद आरोपियों ने पोस्ट को लेकर मारपीट की। उनका अस्पताल में उपचार कराया गया। इसका लोगों के विरोध करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने वरूण की शिकायत पर रेहान, अजहर, रिंकू साजिद समेत सात लोगों के खिलाफ बलवा, मारपीट समेत अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था।

### बीजापुर :आईईडी की चपेट में आने से जवान शहीद

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बम की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया। पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप के अनुसार कुटरू इलाके के अंबेलि के जंगल में जवानों का एक दल सर्च ऑपरेशन पर निकला था। इसी दौरान जंगल में अचानक आईईडी ब्लास्ट हो गया। इस घटना में प्रधान आरक्षक थलेन्द्र कुमार नायक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ चल रहा है साथी जवान आरक्षक अमर ठाकुर बुरी तरह घायल हुआ है। घायल जवान को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। इस घटना के बाद से इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दी गई है। बता दें कि बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बमों को पहले भी जवानों ने डिस्फ्यूज किया है। सेना द्वारा इलाके में चलाए सर्च ऑपरेशन ने कई नक्सलियों को पकड़ा जा रहा है।

---

### किसानों की बढ़ीं मुश्किलें, खरीदी केंद्रों के बाहर रखे गेहूं को नुकसान

# बेमौसम बारिश में भीगा करोड़ों का गेहूं

#### 24 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी

**भोपाल, (एजेंसी)।** चक्रवात तौकते का असर एमपी में भी दिख रहा है। सोमवार से ही प्रदेश के कई जिलों में बारिश हो रही है। मंगलवार को राजधानी भोपाल में जमकर बारिश हुई है। शाम के बाद से शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। वहीं, मौसम विभाग ने 24 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अरब सागर में उठे चक्रवाती तूफान का प्रभाव न केवल सीमांत प्रदेशों पर देखने को मिला है बल्कि मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में इसका असर दिखाई दे रहा है। बारिश से उपार्जन केंद्रों पर अपनी उपज बेचने का इंतजार कर रहे किसानों की उपज भीग चुकी है। सतना, सागर, दतिया, होशंगाबाद, गुना समेत कई जगहों पर खुले में खरीदी केंद्रों पर रखा लाखों क्विंटल गेहूं भीगने से करोड़ों के नुकसान का अनुमान है। **खरीदी बंद , किसानों को फसल बेचने का संकट: छतरपुर।** चक्रवाती तूफान का ऐसा असर हुआ कि बेमौसम बारिश की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों के खाते में आया है। बारिश के कारण किसानों की फसलें भीग गई है। उधर बारिश की वजह से खरीदी बंद हो गई है ऐसी स्थिति में किसान के सामने फसल बेचने का संकट आ गया है। **सतना** जिले के खरीदी केंद्रों पर हजारों क्विंटल गेहूं भीगा है। किसान संगठनों के अनुमान के मुताबिक यह नुकसान 120 करोड़ का है। लगातार बारिश में भीग रहे गेहूं के बाद प्रशासन की नींद मंगलवार को टूटी।

**24 जिलों में हाई अलर्ट:** अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, विदिशा, राजगढ़, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, झाबुआ, उज्जैन, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी और श्योपुर में भारी बारिश होगी। इसके अलावे शहडोल, रीवा, जबलपुर, सागर, इंदौर, उज्जैन, भोपाल, होशंगाबाद, ग्वालियर और चंबल संभागों के जिलों में बारिश होगी।

#### सागर में तूफान में कहीं पेड़ गिरे तो कहीं निर्माणाधीन मकान

**सागर।** मंगलवार सुबह से आंधी तूफान के चलते जहां कई पेड़ धाराशायी हो गये तो एक दो निर्माणाधीन मकानों की दीवारें गिरने की भी खबर है। तेज बारिश के चलते खरीदी केन्द्रों पर रखा गया सैकड़ों क्विंटल अनाज भी जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते खराब हो गया है। जिले के गढ़ाकोटा क्षेत्र में एक बड़ा पेड़ बीच सड़क पर गिर गया। भारी भरकम पेड़ सड़क पर गिरने से सड़क के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया। इसके अलावा पहाड़ी इलाकों के कई मकानों के छज्जे और टीन टप्पर भी तेज आंधी तूफान में उड़ गए। परसोरिया, साईंखेड़ा, पामाखेड़ी, बीना, सिहोरा, खुरई, जरुआखेड़ा, ढाना, केरबना, कर्रापुर सहित कई स्थानों पर गेहूं भीगने की शिकायतें सामने आई है।

**रीवा जिले में** पिछले 2 दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश से उपार्जन केंद्रों पर अपनी उपज बेचने का इंतजार कर रहे किसानों की उपज भीग चुकी है। त्योंथर, सिरमौर, हनुमना एवं जवा जनपद के खरीदी केंद्रों में देखने को मिलते हैं। परिवहन की समस्या को लेकर कुछ किसानों बताया की परिवहनकर्ता सही समय पर परिवहन नहीं करता जिसकी वजह से गेहूं का उठाव नही हो पाया जिसकी वजह से बारिश में यह खराब हो गया।

#### पन्ना में एक घंटे भारी बारिश , घरों में घुसा पानी

**पन्ना।** पन्ना में सुबह से ही आसमान में बादल नजर आए। लेकिन दोपहर तक तेज धूप खिल गई। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे के बाद फिर से आसमान में बादल नजर आए और एकाएक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। कई घंटों तक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। कुछ घंटे की बारिश ने ही शहर के सभी नालों में सैलाब ला दिया। शहर के कई हिस्सों में घरों में व बस्ती में पानी भरने की खबरें भी आईं।

#### पिपरिया : खुले में पड़ा 75 हजार क्विंटल गेहूं भीगा

**होशंगाबाद/पिपरिया।** मंगलवार को तेज बारिश से गेहूं खरीदी केंद्रों पर हड़कंप मच गया। प्रशासन समिति प्रबंधक सहित किसान गेहूं बचाने अफरा तफरी में रहे। किसानों के खुले ढेरों में भी पानी आ गया। किसान गजेंद्र गुप्ता ने बताया रामपुर सोसाइटी में किसान अपनी गेहूं की उपज बेचने आए थे जो कि पिछले 5,7 दिन पहले ट्रांसपोर्टिंग ना होने के कारण उनके ढेर खुले पड़े रहे भीग गए। मंगलवार को बारिश होने से किसानों के खुले ढेर में पानी भर गया। जिला सहकारी बैंक प्रबन्धक प्रमोद पुरोहित के अनुसार 75 हजार क्विंटल गेहूँ समितियों में पड़ा है ट्रांसपोर्टिंग होना शेष है।

#### सोसाइटी में लापरवाही से हजारों टन गेहूं खराब, किसानों में आक्रोश

**टीकमगढ़/बड़ागांव धसान।** मौसम विभाग की चेतावनी के बाद सोसाइटी प्रबंधकों के बदइंतेजाम के चलते किसानों का हजारों टन गेहूं पानी में भीगता रहा। किसानों द्वारा बताया कि दो दिन से पानी गिर रहा है, जिसके चलते हम लोगों का हजारों टन गेहूं खराब हो गया। अब हम लोगों को तीन-चार दिन इसको सुखाना होगा। इसके बाद ही जो कुछ सही बचेगा, वहीं प्रशासन खरीदेगा। हम लोगों को तीन से चार दिन हो गए हैं, अब लगता है तीन से चार दिन सुखाने में ही निकल जाएंगे। बड़ागांव, ककरवाहा, दरगुवां, अंतौरा एवं समर्रा सोसाइटी प्रबंधकों ने पहले से ही व्यवस्था की होती है गरीब किसानों को ऐसे परेशानी नहीं उठानी पड़ती। इसके चलते कई किसानों में आक्रोश है। पलेरा में टीकमगढ़। पलेरा नगर में दोपहर 3 बजे के लगभग अचानक तेज बारिश के साथ ओले गिरे। खबर है कि उपार्जन केंद्रों पर केंद्र के बाहर रखा हुआ गेहूं इस बेमौसम की बारिश से भीग गया। साथ ही जो किसान अपना गेहूं बेचने के लिए लाए थे, वह भी बारिश के चलते भीग गया है। प्रशासन की अनदेखी के चलते किसानों में रोश व्याप्त है।

---

# सिविल जज की परीक्षा में फेल हुआ तो बन गया फर्जी न्यायाधीश, दबोचा

#### कार व घर पर नेम प्लेट पर लिखा था जज, विजिटिंग कार्ड बरामद

**भिंड, (एजेंसी)।** एक युवक ने 2019 में सिविल जज की परीक्षा दी, जिसमें वह फैल हुआ तो फर्जी जज बनकर लोगों के साथ ठगी करने लगा। जिसे शहर के सर्किट हाउस के पास स्वतंत्र नगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक कार क्रमांक एमपी20सीके10178 जब्त की।

फर्जी न्यायाधीश बनकर शहर के सर्किट हाउस स्वतंत्र नगर में निवास कर रहे दीपक भदौरिया निवासी कन्नौज उप्र की सूचना जैसे ही डीएसपी मोतीलाल कुशवाह को मिली तो तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया, जिसके बाद उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया लॉकडाउन के समय उसने बाजार में व्यापारियों से ठगी की, इसके साथ ही टोल टैक्स बचाने के लिए फर्जी गाड़ी पर न्यायाधीश लिख रहा था, ताकि किसी तरह का टोल नहीं देने पड़े। इसके साथ ही विजीटिंग कार्ड के जरिए भी लोगों को गुमराह कर अपना कार्ड पकड़ा देता था। दीपक भदौरिया ने अपने माता-पिता व परिवार के लोगों को बताया था उसका न्यायाधीश के पद पर विगत एक वर्ष पहले चयन दीपक सौलंकी के नाम पर हुआ है और घर के बाहर नेम प्लेट पर न्यायाधीश लिखवा रखा था जो भी उसके घर पहुंचा तो उसे न्यायाधीश समझने लगते, जिसके बाद दीपक आसानी से लोगों को ठगी का शिकार बना लेता था जो विगत एक वर्ष से लोगों के साथ ठगी करता चला आ रहा था, जिसकी सूचना पुलिस को मिलते ही उसे घर से दबोच लिया।

---

### ब्लैक फंगस पीड़ित की पत्नी ने वीडियो बनाकर दी धमकी

# पति को इंजेक्शन नहीं मिला तो अस्पताल की छत से कूद जाऊंगी

**इंदौर, (एजेंसी)।** शहर में तेजी से ब्लैक फंगस यानि म्यूकरमाइकोसिस के मरीज बढ़े हैं। एमवायएच में भर्ती मरीजों को तो एंटी फंगल इंजेक्शन के डोज मिल रहे हैं, लेकिन निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को दिक्कत हो रही है।

एक ऐसी 40 वर्षीय धामनोद निवासी मरीज जो बाम्बे हॉस्पिटल में म्यूकरमाइकोसिस से पीड़ित होकर इलाजरत है कि पत्नी ममता मंडलोई ने वीडियो के माध्यम से कलेक्टर, मुख्यमंत्री को धमकी दी है कि वो अपने पति को दर्द से तड़पता हुआ मरते नहीं देख सकती, क्योंकि इलाज के लिए लगने वाला इंजेक्शन नहीं मिल रहा है। यदि जरूरी इंजेक्शन नहीं मिले, तो अस्पताल की छत से कूदने जाएगी। न अस्पताल में न ही बाहर, कहीं भी इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं। बहुत खराब हालत है। इंजेक्शन नहीं मिलने से पति की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। आपके लिए जो 10-12-24 घंटे सिफ समय है, लेकिन हमारे लिए वह जिंदगी और मौत है। यह दर्द है।

उल्लेखनीय है कि ब्लैक फंगस के लिए कारगर एंटी फंगल इंजेक्शन एम्फोटिरिन-बी बाजार में नहीं मिल रहा है। कहा गया था कि सीधे अस्पतालों को सप्लाई होगा, वो भी जरूरत के मुताबिक नहीं हो रहा है। इसलिए मरीज के परिजन परेशान हो रहे हैं।

---

# पुलिस चैकिंग में लोहा व्यवसायी से हवाला के 20 लाख जब्त

**इंदौर।** पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक कार से 20 लाख जब्त किए हैं, वहीं कारोबारी को हिरासत में लिया है। उसके पास से हावाला माफिया की रिकार्डिंग भी मिली है।

**हवाला माफिया की रिकॉर्डिंग मिली**

राजेंद्र नगर टीआई अमृता सोलंकी ने बताया कि बिजलपुर क्षेत्र में मंगलवार की शाम को चेकिंग के दौरान एक कार एमपी09-सीएन-4650 को संदेह होने पर रोका गया। गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें नोटों से भरा एक बैग मिला। कार चालक ने अपना नाम नरेश बनवारीलाल अग्रवाल निवासी शिवकृपा नगर बताया। बैग में 20 लाख रुपए नकद थे। नरेश ने खुद को लोहे का कारोबारी बताया है। पुलिस को उसके मोबाइल में हवाला माफिया से हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग मिली है। इससे शक है नरेश भी हवाला कारोबार में शामिल हो सकता है। गाड़ी में नरेश का नौकर प्रमोद वर्मा भी बैठा हुआ था। पूछताछ में नरेश ने बताया रुपए धामनोद के दिनेश माहेश्वरी के और वह बैंक में जमा करवाने जा रहा था। नरेश के मोबाइल की जांच की तो कुछ वॉइस रिकॉर्डिंग मिली जो हवाला की तरफइशारा कर रही थी।

## शॉर्ट एनकाउंटर में 10-10 हजार के इनामी दो दबोचे

**ग्वालियर, (एजेंसी)।** ग्वालियर में लूट की घटना के मामले में पुलिस को दो फरार 10-10 हजार के इनामी बदमाशों को शॉर्ट एनकांउटर में गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार डबरा थाना क्षेत्र के अर्रू तिराहा से कार सवार दंपत्ती से 25 हजार रुपए व कार लूटकर फरार हो गए दो शातिर बदमाशों को शॉर्ट एनकांउटर के बाद धेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। फायरिंग में घायल इन दोनों बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने लूटे गये कार सहित दो देशी पिस्टल जब्त किया है। बीती रात पुलिस और बदमाशों का आमना सामना हुआ तो दोनों ओर से करीब 30 से ज्यादा गोलियां चलीं बदमाश पीछा कर रहे सीएसपी रवि भदौरिया की बोलेरो में टक्कर मारकर भागने लगे और ताबड़ तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

### कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह ने 40 लाख की कार को बनाया एंबुलेंस

**गुना। कोरोना महामारी के दौरान मप्र में कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह की अनूठी पहल ने लोगों में एक नई उम्मीद जगा दी है। ग्रामीण इलाकों से मरीजों वहां अब विधायक लक्ष्मण सिंह ने पहल करते हुए खुद की 40 लाख की लक्सरी फोरच्यूनर कार को एम्बुलेंस के तौर पर दान में दे दिया है। दरअसल लक्ष्मण सिंह ने 10 दिन पहले जिला प्रशासन से गुहार लगाते हुए एम्बुलेंस की मांग की थी। प्रशासन एम्बुलेंस की व्यवस्था करने में नाकाम रहा तो कांग्रेस के विधायक खुद ही मैदान में कूद पड़े। दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह ने अपनी लक्सरी सव फोरच्यूनर कार को एम्बुलेंस बनाने की पेशकश की थी।**

---

# कटनी सर्वाधिक सुकन्या समृद्धि खाते खोलने वाला जिला

**भोपाल, (एजेंसी)।** ऐसे समय जबकि सारा देश ही कोविड-19 की महामारी का सामना कर रहा है, प्रदेश के कटनी जिले ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में सबसे अधिक सुकन्या खाते खोल कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशों पर, इस वर्ष 22 फरवरी से 31 मार्च तक महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत जिले की पात्र बेटियों के नाम डाकघरों में भारतीय डाक विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टाफ के समन्वय से सुकन्या समृद्धि खाता खोलने की कार्यवाही की गई। इस दौरान जिले में 31 हजार 904 पात्र बेटियों के नाम से सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाये गए। कटनी जिले में खुले खातों की संख्या प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नयन सिंह का कहना है कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाते खोलने के लिये जिले में कार्ययोजना बनाकर कार्य किया गया। 40 दिनों में ही 31 हजार 904 बालिकाओं के खाते खोले गए।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के उद्देश्य के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग का अमला इस काम में मुस्तैदी से जुटा। प्रत्येक बालिका का खाता 250 रुपए से खोला गया। उन्होंने बताया कि एक खास बात यह भी रही कि 1856 ऐसी बालिकाओं, जिनके अभिभावक के पास पैसे नहीं थे, उनकी राशि विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने स्वेच्छा ने अपनी ओर से जमा कराई। कोरोना काल में कटनी जिले द्वारा हासिल की गई ये उपलब्धि वाकई सराहनीय है, जिसका श्रेय इस कार्य में लगे सभी अधिकारियों और स्टाफ को जाता है।

## जमीन धोखाधड़ी मामले में संघवी को अग्रिम जमानत

**इंदौर।** करोड़ों रुपए की जमीन धोखाधड़ी मामले में आरोपी सुरेंद्र संघवी एवं प्रतीक संघवी को अग्रिम जमानत व मुकेश खत्री, पुष्पेंद्र नीमा को हाई कोर्ट से नियमित जमानत मिल गई है। हाईकोट ने निर्देश दिए हैं कि सुरेंद्र व प्रतीक बिना कोर्ट की अनुमति देश से बाहर नही जाएंगे और पुलिस विवेचना में पूरा सहयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि गत फरवरी में करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा की जमीनों की धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने सुरेंद्र संघवी, उसके बेटे प्रतीक सहित 13 पर केस दर्ज किए थे। इनके कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवाने के साथ इनकी संपत्ति कुर्की करवाने की प्रक्रिया भी शुरू कर रही थी।

# पांच लाख की सुपारी देकर बेटा कराना चाहता था पिता की हत्या, बेटा और तीन आरोपी गिरफ्तार

#### शोरूम के चौकीदार की हत्या कर चुराई थी बाइक

**जावरा।** शहर के फोरलेन स्थित निर्माणाधीन हीरो शोरुम के चौकीदार की हत्या कर बाइक चुराने वाले आरोपी युनूस और अशफाक से पूछताछ के दौरान चौकाने वाले खुलासे हुआ। विवेचना में आरोपियों ने बताया कि ग्राम जड़वासा के घनश्याम कुमावत ने जड़वासा के ही महेन्द्र सिंह से उसके पिता नाथुसिंह की हत्या करने के लिए 5 लाख की सुपारी दिलवाई थी।

नाथुसिंह की हत्या करने के लिए उन्हे बगैर नम्बर की बाइक की जरूरत थी, जिसके चलते उन्होंने निर्माणाधीन हीरो शोरुम पर रखी बाइक चुराने की योजना बनाई और बाइक चुराते समय चौकीदार शंभु सिंह की हत्या कर दी थी। पुलिस ने में मामले में पिता की हत्या की साजीश रचने वाले पुत्र सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी व्हीडी जोशी ने बताया कि चौकीदार की हत्या के आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि कालुखेड़ा थाना के गांव जड़वासा के घनश्याम कुमावत ने उसके दोस्त महेन्द्रसिंह से उसके पिता नाथुसिंह से संपत्ती एवं रुपयों को लेकर हो विवाद के चलते पिता की हत्या करने 5 लाख तक सुपारी देने की बात कहीं। जिसके बाद 25 मार्च को जावरा चौपाटी के असपास घनश्याम, महेन्द्रसिंह ने पिता को मारने का प्लान तैयार किया और उसमें युनुस को तैयार किया। महेन्द्र ने मोबाइल से उसके पिता के फोटो युनूस को भेजे।

---

# पूर्व सांसद लोधी को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

#### निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुआ निधन

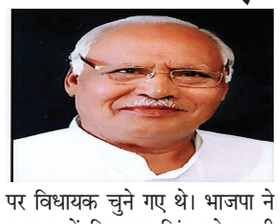

**सागर/बंडा।** दमोह के पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह लोधी का निधन हो गया। चिरायु अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। बंडा में राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंतिम विदाई दी गई। उनके पुत्र अर्जुन सिंह राणा ने मुखाग्नि दी। उनकी अंतिम यात्रा में विधायक प्रदुम्न सिंह, विधायक तरवर सिंह लोधी शामिल हुए। जनसंघ के जमाने से बुंदेलखंड क्षेत्र में सक्रिय राजनीति करने वाले शिवराज सिंह लोधी मूल रूप से बंडा के निवासी थे। वह बंडा के अलावा बड़ा मलहरा क्षेत्र से भी भाजपा टिकट पर विधायक चुने गए थे। भाजपा ने 2009 में शिवराज सिंह को पहली बार दमोह संसदीय क्षेत्र से लोस का टिकट दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी चंद्रभान सिंह को बड़े अंतर से हराने के बाद लोस में प्रवेश किया था। उनके निधन की खबर से प्रदेश भाजपा में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने ट्वीट करके श्रद्धासुमन अर्पित की है।

---

**महामारी** — मध्यप्रदेश में पांच हजार से अधिक कोरोना मरीज मिले, 70 की मौत

# संक्रमण दर घटकर 7.7 प्रतिशत पर पहुंची

**भोपाल (एजेंसी)।**

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच मंगलवार को पांच हजार से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित मिले हैं। वहीं 70 लोगों की जान चली गई। यहां कोरोना ग्रोथ रेट 1.00 फीसदी है। वहीं साप्ताहिक पॉजिटिविटी 11 फीसदी रही है। पॉजिटिविटी 7.8 फीसदी रही, साप्ताहिक प्रकरण 51486 हैं।

प्रदेश के 9 जिलों में 5 फीसदी से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। वहीं 25 जिलों में 10 फीसदी से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। गुना, छिंदवाड़ा, भिंड, बड़वानी, बुरहानपुर, अशोकनगर, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा में 5 फीसदी से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। इन जिलों समेत होशंगाबाद, देवास, सतना, रायसेन, बालाघाट, राजगढ़, मंदसौर, विदिशा, मंडला, छतरपुर, टीकमगढ़, मुरैना, हरदा, श्योपुर, आगर-मालवा तथा निवाड़ी में 10 से कम साप्ताहिक पॉजिटिविटी है। राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय से जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य में 69,454 लोगों की कोरोना जांच सैंपल रिपोर्ट में 5,412 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं।

पॉजीटिविटी रेट मंगलवार को संक्रमण दर घटकर 7. 7 प्रतिशत दर्ज की है। राज्य में 11,358 लोग कोरोना संक्रमण को हराकर घर पहुंचे हैं। वर्तमान में सक्रिय मरीजों की संख्या अब 82,967 है। महामारी से प्रदेश में अब-तक 7,42718 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 652612 लोग ठीक हो चुके हैं। यह महामारी अब-तक प्रदेश भर में 7139 लोगों की जान ले चुकी है। इंदौर में 1262 लोग कोरोना संक्रमित मिले। भोपाल में 667 पॉजिटिव व ग्वालियर में 175, जबलपुर में 306, उज्जैन में 154, रतलाम में 170, रीवा में 168, सागर में 201 नए कोरोना मरीज मिले हैं।

#### जयारोग्य अस्पताल के दो डॉक्टरों ने दम तोड़ा

**ग्वालियर।** ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल में सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक कोरोना से अस्पताल में पदस्थ दो डॉक्टरों ने दम तोड़ दिया है। इसमें पीएसएम विभाग में पदस्थ 55 वर्षीय डॉ.अपेक्षा भाले एवं कैज्युटी ऑफिसर 35 वर्षीय डॉ. देवेन्द्र सिंघार शामिल हैं। दोनों चिकित्सकों की मौत पर जीआरएमसी के चिकित्सकों ने श्रद्धांजलि दी है।

कोरोना के 105 मरीज मंगलवार को भी पॉजीटिव आए हैं। इसमें पांच मरीजों की मौत भी हुई है। राहत की बात है कि कोरोना पॉजीटिव मरीजों की संख्या लगातार कम हो रही है। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कमजोर पड़ने की सूचना आ रही है। यहां रोजाना पॉजिटिव आने वाली रिपोर्ट भी हैं जिसमें हर दिन संक्रमितों की संख्या कम हो रही है। लेकिन जो लोग पहले पॉजिटिव हो चुके हैं उनकी मौत होने का सिलसिला नहीं थम रहा।

शहर के कई विशिष्ठ लोग कोरोना के चलते मौत हो चुकी हैं। कोरोना पॉजीटिव आने वाले मरीजों की संख्या में कमी आई है। पिछले तीन दिनों में मात्र 481 मरीज पॉजीटिव आए हैं जबकि पहले एक दिन में 1200 से 1500 मरीज पॉजिटिव आ रहे थे। मंगलवार को भी कोरोना पॉजीटिव 5 मरीजों की मौत हुई है। जब मौत की संख्या कम हो तब कुछ राहत महसूस हो।

# बेबुनियाद आरोपों से लोगों में भ्रम फैला रहे हैं कांग्रेस प्रदेश प्रमुख लल्लू : खन्ना

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को भ्रम फैलाने वाला नेता बताया है। सुरेश खन्ना का कहना है कि लल्लू तथ्यों की जानकारी किए बिना और प्रदेश सरकार के फैसलों को पढ़े बिना ही बयान देकर जनता में भ्रम फैलाते हैं। पंचायत चुनाव ड्यूटी के समय मृत कर्मचारियों के परिजनों को अनुदान देने को लेकर भी अब वह ऐसा ही कर रहे हैं। उन्हें मालूम होना चाहिए कि प्रदेश सरकार पंचायत चुनावों में ड्यूटी करने वाले कर्मियों की कोरोना संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार को तीस लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान कर चुकी है, इसके बाद भी लल्लू इस मामले में भ्रम फैलाने वाले बयान दे रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री का कहना है कि प्रदेश सरकार कोरोना संक्रमण से लोगों के जीवन और जीविका को बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। गांव-गांव में लोगों के इस महामारी से बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं और खुद मुख्यमंत्री जिलों-जिलों में जा कर लोगों के इलाज को लेकर किए गए चिकित्सा प्रबंधों का जायजा ले रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के नेता कोरोना से पीड़ितों की मदद करने के बजाय उन्हें गुमराह कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता कभी वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाते हैं तो कभी सरकार द्वारा गांवों में कोरोना पीड़ितों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान पर सवाल खड़ा करते हैं। कांग्रेस के नेता प्रदेश सरकार पर पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों के साथ भेदभावपूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू कहते हैं कि कोरोना संक्रमण की भयावहता विकरालता के बावजूद राज्य सरकार ने जबर्दस्ती चुनाव कराए जिसके चलते मौतें हुईं, जिसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है, वहीं उसकी अनुदान नीति भी गलत है।

खन्ना ने कहा कि अब कांग्रेस के इस विद्वान नेता को कौन यह बताए कि प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश पर यह चुनाव कराए और प्रदेश सरकार ने पंचायत चुनावों में ड्यूटी करने वाले कर्मियों की कोरोना संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार को तीस लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का फैसला किया है।

## आगरा जनपद में कोरोना वैक्सीन लगवाने उमड़ रही युवाओं की भीड़

आगरा। आगरा जनपद में 18 से 44 वर्ष तक के लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया जा रहा है। युवाओं में कोविड-19 के टीकाकरण कराने को लेकर काफी उत्साह है। टीकाकरण केंद्रों पर बड़ी संख्या में सुरक्षा के साथ टीका लगवाने युवा आ रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. सी. पांडेय ने बताया कि कोरोना की रोकथाम के लिए जनपद में 37 केंद्रों पर 18 से 44 वर्ष के लोगों का टीकाकरण शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों पर सोमवार से शनिवार तक टीकाकरण किया जा रहा है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. संजीव वर्मन ने बताया कि 18 से 44 वर्ष तक के लोगों को टीकाकरण के लिए पहले से ऑनलाइन अप्वॉइंटमेंट लेना होगा। केवल उन्हीं लोगों का टीकाकरण किया जाएगा, जिनका पहले अप्वॉइंटमेंट हो चुका है। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को अभी का अप्वॉइंटमेंट नहीं मिल रहा है, वह अगले दिन का अप्वॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। डीआईओ ने बताया कि सोमवार को 8634 लोगों ने पहली डोज और 356 लोगों ने दूसरी डोज लगी। डीआईओ ने बताया कि अब 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीकाकरण की पहली डोज लगवाने के लिए भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा, जबकि जिन लोगों को दूसरी डोज लगवानी है, उन्हें कोई रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं होगी।

*अहमदाबाद। चक्रवात तौकते रेलवे के जज्बे को न कर सका कम।*

*कोरोना पीड़ितों की मददगार बनी कांगड़ा जिला रेड क्रॉस सोसायटी।*

# जब बड़े शहरों का यह हाल, तो छोटे शहरों-गांवों में चिकित्सा व्यवस्था राम भरोसे : हाईकोर्ट

प्रयागराज, (एजेंसी)। मेरठ के जिला अस्पताल से एक मरीज के लापता होने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि मेरठ जैसे शहर के मेडिकल कॉलेज में इलाज का यह हाल है, तो छोटे शहरों और गांवों के संबंध में राज्य की संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था राम भरोसे ही कही जा सकती है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजित कुमार की पीठ ने राज्य में कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

अदालत में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को शाम 7-8 बजे 64 वर्षीय मरीज संतोष कुमार शौचालय गया था जहां वह बेहोश होकर गिर गया। जूनियर डॉक्टर तुलिका उस समय रात्रि ड्यूटी पर थीं। उन्होंने बताया कि संतोष कुमार को बेहोशी के हालत में स्ट्रेचर पर लाया गया और उसे होश में लाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई।

टीम के प्रभारी डाक्टर अंशु की रात्रि ड्यूटी थी, लेकिन वह उपस्थित नहीं थे। सुबह डॉक्टर तनिष्क उत्कर्ष ने शव को उस स्थान से हटवाया लेकिन व्यक्ति की शिनाख्त के सभी प्रयास व्यर्थ रहे। वह आइसोलेशन वार्ड में उस मरीज की फाइल नहीं ढूंढ सके। इस तरह से संतोष की लाश लावारिस मान ली गई और रात्रि की टीम भी उसकी पहचान नहीं कर सकी। इसलिए शव को पैक कर उसे निस्तारित कर दिया गया।

अदालत ने कहा, यदि डॉक्टरों और पैरा मेडिकल कर्मचारी इस तरह का रवैया अपनाते हैं और ड्यूटी करने में घोर लापरवाही दिखाते हैं तो यह गंभीर दुराचार का मामला है, क्योंकि यह भोले भाले लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने जैसा है। राज्य सरकार को इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। पांच जिलों के जिलाधिकारियों द्वारा पेश की गई रिपोर्ट पर अदालत ने कहा कि हमें कहने में संकोच नहीं है कि शहरी इलाकों में स्वास्थ्य ढांचा बिल्कुल अपर्याप्त है और गांवों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जीवन रक्षक उपकरणों की एक तरह से कमी है।

अदालत ने ग्रामीण आबादी की जांच बढ़ाने और उसमें सुधार लाने का राज्य सरकार को निर्देश दिया और साथ ही पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। टीकाकरण के मुद्दे पर अदालत ने सुझाव दिया कि विभिन्न धार्मिक संगठनों को दान देकर आयकर छूट का लाभ उठाने वाले बड़े कारोबारी घरानों को टीके के लिए अपना धन दान देने को कहा जा सकता है।

## नौसेना के जवानों ने चक्रवाती तूफान में फंसे बजरे पर सवार 146 लोगों का रेस्क्यू किया

मुंबई। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में आए चक्रवाती तूफान तौकते के कारण समुद्र में अनियंत्रित होकर बहे एक बजरे पर सवार 146 लोगों को बचा लिया है, जबकि बाकी लोगों की तलाश की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि नौसेना ने बचाव कार्य के लिए मंगलवार सुबह पी-81 विमान को तैनात किया था। यह खोज एवं बचाव कार्यों के लिए नौसेना का एक बहुमिशन समुद्री गश्ती विमान है। इससे पहले, निर्माण कम्पनी एफकान्स के बंबई हाई तेल क्षेत्र में अपतटीय उत्खनन के लिए तैनात दो बजरे लंगर से खिसक गए और वे समुद्र में अनियंत्रित होकर बहने लगे थे, जिसकी जानकारी मिलने के बाद नौसेना ने तीन फ्रंटलाइन युद्धपोत तैनात किए थे। इन दो बजरे पर 410 लोग सवार थे। इन दो बजरे की मदद के लिए आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि और आईएनएस तलवार को तैनात किया गया था। नौसेना के एक प्रवक्ता ने मंगलवार सुबह कहा समुद्र में बजरे पी305 से बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में कुल 146 लोगों को बचाया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य लोगों को बचाने के लिए खोज एवं बचाव अभियान पूरी रात जारी रहा। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में आईएनएस कोलकाता ने पोत वरप्रभा के लाइफ राफ्ट से भी दो लोगों को बचाया और पी305 के चालक दल के सदस्यों को बचाने के लिए आइएनएस कोच्चि के साथ खोज अभियान शुरू किया गया है।

# बिहार में कोरोना वैक्सीन की कमी के कारण रुक टीकाकरण अभियान

पटना, (एजेंसी)। बिहार में कोरोना की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान में सप्लाई की बाधा सामने आने लगी है। टीकों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से 18 से 45 वर्ष के लोगों को अपनी बारी के लिए पहले ही लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। अब स्थिति यह है कि कई जिलों में वैक्सीन का स्टॉक ही खत्म होने के कारण टीकाकरण अभियान को रोकना पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति बक्सर और शेखपुरा सहित कई जिलों में आने की सूचना है। इतना ही नहीं पटना जिले में भी एक दिन के लिए टीकाकरण अभियान को रोकना पड़ा था, हालांकि प्रशासन ने इसके लिए अलग तर्क दिया था। शेखपुरा जिले में 18 प्लस वाले युवाओं के लिए वैक्सीनेशन के काम को रोक दिया गया है। ऐसा टीकों के खत्म हो जाने की वजह से किया गया है। जिले में सभी प्रखंडों में पहले 18 प्लस वाले युवाओं का वैक्सीनेशन किया जा रहा था परंतु मंगलवार को केवल सदर अस्पताल में यह हो रहा है। हालांकि 45 से ऊपर वालों के लिए वैक्सीनेशन का काम किया जा रहा है।

विभागीय सूत्रों ने बताया कि सोमवार को ही किसी तरह से वैक्सीनेशन का काम युवाओं में सुचारू रखा गया। जिले में रविवार को मात्र एक हजार डोज वैक्सीन बचा हुआ था। सोमवार को वह भी खत्म हो गया। मंगलवार को युवाओं के लिए केवल सदर अस्पताल में वैक्सीनेशन का काम किया जाएगा। उधर इस बारे में सिविल सर्जन डॉ कृष्ण मुरारी प्रसाद सिंह ने बताया कि जागरूकता की वजह से वैक्सीनेशन का काम यहां तीव्र गति से किया जा रहा है। राज्य स्वास्थ्य समिति को वैक्सीनेशन के संबंध में सूचना दे दी गई है। मंगलवार को किसी भी समय वैक्सीन उपलब्ध होने के साथ ही वैक्सीनेशन का काम फिर से सुचारू रूप से होता रहेगा।

बक्सर जिले में 18 से 45 और इससे ऊपर के वर्ग के लोगों को दी जा रही वैक्सीन खत्म हो गई है। टीका के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ सकता है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राजकिशोर सिंह के अनुसार वैक्सीन आने में एक-दो दिनों का समय लग सकता है। सोमवार को जिले में केवल दो ही स्थानों पर वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें जिला मुख्यालय स्थित सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टीकाकरण केन्द्र एवं डुमरांव का एक केंद्र शामिल है। डीआइओ ने बताया कि वैक्सीन नहीं रहने के कारण मंगलवार को किसी केंद्र पर टीकाकरण का काम नहीं होगा।

## हिमाचल कांग्रेस का आरोप, सरकार कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों को छुपा रही

शिमला, (एजेंसी)। हिमाचल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन कार्यक्रम धीमी गति से चल रहा है। सरकार को इस कार्य में और अधिक तेजी लाने के साथ टेस्टिंग बढ़ाने की जरूरत है। राठौर ने कहा कि जिस तेजी से शहरी क्षेत्रों में इस संक्रमण का फैलाव हुआ है और इसी गति से अगर यह दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में फैला तब स्थिति भयावक हो सकती है। राठौर ने वैक्सीन की दूसरी डोज लगाने का समय बढ़ाने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए सरकार से जानना चाहा कि यह समय अवधि स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह से बढ़ाई गई है या देश में वैक्सीन की कमी के चलते किया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बारे में लोगों को गुमराह कर रही है, क्योंकि सरकार पूरी तरफ विफल हो गई है।

राठौर ने दावा किया कि केंद्र सरकार को इनदिनों विदेश से बड़ी राहत सामग्री के साथ धन भी उपलब्ध हो रहा है। यह धन और राहत सामग्री कहां जा रही है, सरकार यह सार्वजनिक करे। आज देश-प्रदेश में कोरोना से स्थिति बिगड़ती जा रही है। सरकार आंकड़ों को छुपा रही है। राठौर ने प्रदेश में बढ़ते कोरोना मामलों के दृष्टिगत राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने और पार्टी के सभी पदाधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल के लिए इन दोनों को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

## तिरुपति में टीका लगाकर मिली दक्षिणा से गुजारा करने वाले के कमरे में मिले नोटों से भरे दो संदूक

तिरुपति, (एजेंसी)। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश की तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित भगवान तिरुपति बाला जी का मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। भगवान का यह धाम सबसे ज्यादा चढ़ावे वाले मंदिर के रूप में भी जाना जाता है। वैसे तो हर धार्मिक स्थल में भगवान के नाम पर भीख मागने वालों की भीड़ लगी रहती है, तिरुपति बाला जी मंदिर से ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां वीआईपी श्रद्धालुओं को टीका लगाकर उनसे पैसा मांगने वाले एक याचक की मौत के बाद उसके पास से लाखों रुपए रकम बरामद किए गए हैं।

64 साल के श्रीनिवासन तिरुमाला आने वाले वीआईपी तीर्थयात्रियों को टीका लगाकर मिलने वाली दक्षिणा पर जीवनयापन करते थे, वह वीआईपी भक्तों के पीछे से तब तक नहीं हटते थे, जब तक कि वे उन्हें टीका लगाकर उनसे दक्षिणा न हासिल कर लें। मृत्यु के बाद उनके घर से दो बक्सों में लाखों की रकम बरामद हुई है। पिछले एक साल से देखा जा रहा था कि अनधिकृत लोग शेषाचल नगर स्थित उनके घर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें अंदाजा था कि उनके पास लाखों रुपए हो सकते हैं। इसलिए पड़ोसियों ने टीटीडी के अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। टीटीडी अधिकारियों को पता चला कि श्रीनिवासन का कोई परिवार नहीं है। तब उनकी संपत्ति पर दावे की आशंका के बीच विजिलेंस और राजस्व विभाग की टीम ने जांच की तो 6 लाख 15 हजार 50 रुपये बरामद हुए।

कुछ समय पहले बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण जब वहां गईं तो भी श्रीनिवासन उनके पीछे पीछे गए और दक्षिणा लेकर ही पीछे हटे। कहावत है कि इंसान खाली हाथ आता है और खाली हाथ जाता है। यही बात इस याचक पर भी लागू हुई है, अब उनकी संपत्ति सरकारी खजाने में पहुंच गई है। अपनी युवावस्था में बालाजी के धाम पहुंचे श्रीनिवासन की तिरुपति के स्वामी के प्रति असीम आस्था थी।

## देश में वैक्सीन के मंजूरी के लिए आवेदन की जानकारी मांगने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। विदेशी वैक्सीन निमार्ताओं द्वारा भारत में वैक्सीन के मंजूरी के लिए आवेदन की जानकारी मांगने की याचिका में हाईकोर्ट ने सख्त रूख अपनाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने न सिर्फ याचिका को खारिज कर दिया। बल्कि हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 10 हजाररुपयों का जुमार्ना भी लगाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाकर कहा कि सिर्फ आपकी जानकरी में इजाफा करने के लिए हम याचिका पर सुनवाई नहीं करने वाले है। याचिकाकर्ता ने भारत में वैक्सीन के लिए मंजूरी का आवेदन करने वाले विदेशी वैक्सीन निमार्ताओं के आवेदन की जानकारी मांगी थी। याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह इन दिनों फैशन बन गया है, कोई भी अपने मन में आने वाले विचार को रिट क्षेत्राधिकार के तहत जनहित याचिका दाखिल कर देता है।कोर्ट ने कहा कि रिट याचिका का इस तरह दुरुपयोग नहीं किया जा सकता है। इसी टिप्पणी के साथ कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर जुमार्ना लगाकर फटकार लगा दी। बता दें कि टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के पूर्व सदस्य जैकब पुलियेल ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। इसमें कोविड-19 के टीकों के लिए किए गए क्लिनिकल ट्रायल से जुड़े डेटा की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील प्रशांत भूषण केस लड़ रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि जिन टीकों की सुरक्षा और असर जानने के लिए पर्याप्त रूप से ट्रायल नहीं किया गया है, उनके डेटा का खुलासा किए बिना ही आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी गई है।

*शिमला। निदेशक एसएआईएफ ने हिमाचल प्रदेश के लिए एयर प्यूरीफायर यूनिट भेंट किए।*

# नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस 6 पनडुब्बियों की जरूरत, सरकार से मांगी मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना छह पारंपरिक हमले वाले जहाजों को परमाणु संचालित प्लेटफार्मों के साथ बदलना चाहती है। अभी भारतीय नौसेना के पास 12 पुरानी पारंपरिक हमला पनडुब्बियां और तीन नई कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां हैं। नौसेना ने प्रशांत महासागर में बदलते रणनीतिक परिदृश्य को देखते हुए कैबिनेट कमेटी ऑफ सिक्योरिटी (सीसीएस) द्वारा अनुमोदित 30-वर्षीय पनडुब्बी निर्माण योजना में बदलाव करने की मंजूरी के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से संपर्क साधा है। जुलाई 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा 24 डीजल हमले वाली पनडुब्बियों को शामिल करने के लिए 30 वर्षीय पनडुब्बी योजना को मंजूरी दी गई थी। नौसेना ने 18 पारंपरिक डीजल हमले की पनडुब्बियों की जगह नए पनडुब्बी बल को शामिल करने की अनुमति देने के लिए कैबिनेट की मंजूरी मांगी है। इनमें वायु स्वतंत्र प्रणोदन और छह परमाणु हमले वाली पनडुब्बी या एसएसएन शामिल हैं। यह परिवर्तन चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी द्वारा परमाणु पनडुब्बी शस्त्रागार की तीव्र वृद्धि को ध्यान में रखते हुए और हिंद-प्रशांत को भविष्य में विरोधी के वर्चस्व से बचाने के लिए मांगा गया है। अभी तक, भारत के पास रूसी संघ से लीज पर एक अकुला श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस चक्र और एक बैलिस्टिक मिसाइल फायरिंग पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट है। दोनों स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड के अधीन हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकारों के अनुसार, एक बार जब मोदी सरकार 30 साल पुरानी योजना में बदलाव को मंजूरी दे देती है, तो भारतीय नौसेना संयुक्त विकास के लिए प्रमुख सहयोगियों से प्रस्तावों के लिए निविदा आमंत्रित करने से पहले आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) के लिए रक्षा मंत्रालय का रुख करेगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत छह परमाणु संचालित पनडुब्बियों का निर्मा होगा। भारतीय नौसेना के अनुमान के अनुसार इस परियोजना को पूरा होने में कम से कम 10 साल लगेंगे। नौसेना चाहती थी कि 30 साल की पनडुब्बी बल के स्तर को पूरा करने के लिए छह और एआईपी सुसज्जित डीजल पनडुब्बियों को जोड़ा जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकारों ने एडमिरल को आश्वस्त किया कि परमाणु हमले वाली पनडुब्बी महीनों तक सतह से नीचे रहने की क्षमता के साथ एक अधिक शक्तिशाली मंच है।

# कोरोना से लड़ने में मदद करेंगी यह पांच चीज़ें, इम्यूनिटी भी होगी मजबूत

पूरा देश कोरोना महामारी के दौर से जूझ रहा है। देशभर में कोरोना के मामले में दिन प्रतिदिन बढ़ रहें हैं। यह पहले के मुकाबले ज्यादा खतरनाक व जानलेवा साबित हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि जिन लोगों की इम्यूनिटी कमज़ोर है, उनको कोरोना वायरस जल्दी अपनी चपेट में ले रहा है। लेकिन यदि हमारी इम्यूनिटी अच्छी है तो वो हमें बाहरी संक्रमण से भी बचाने में मदद करती है। इसी के चलते लोगों ने कोरोना के इस काल में अच्छे स्वास्थ्य व स्ट्रॉग इम्यूनिटी की अहमियत भी बखूबी समझ ली है। और ऐसे में लोगों को इम्यूनिटी को मज़बूत करने के लिए ज़ोर दिया जा रहा है, जिसके लिए कई ऐसी चीजें व फूड्स हैं जिनका सेवन करने से इम्यूनिटी को मज़बूत किया जा सकता है। ऐसा करने से कोरोना वायरस के अलावा अन्य संक्रमण से भी बचा जा सकता है। डॉक्टर्स भी ज्यादा से ज्यादा विटामिन सी, हरी सब्जियां, जिक, आदि के सेवन करने की राय दे रहे हैं।

तो चलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे फूड्स के बारे में जो आपकी इम्यूनिटी को मज़बूत बनाने में मदद कर सकते हैं-

संतरा-

गर्मियों में संतरे का सेवन बेहद ज़रूरी है, खासकर इस कोरोना काल में। संतरा हमारी इम्यूनिटी मज़बूत करने के साथ-साथ खून साफ करने व स्टेमिना बढ़ाने में स.क्षम है। इस फल में विटामिन- ए, बी व सी, मैगनीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और कोलिन जैसे अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इतना ही नहीं, संतरा आपके हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाता है व हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को भी रेगुलेट करता है। आप चाहें तो संतरे का ताज़ा जूस भी ले सकते हैं।

टमाटर-

यदि आपको अपनी इम्यूनिटी को मज़बूत करना है, तो आप टमाटर का सेवन कर सकते हैं। टमाटर एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है साथ ही, विटामिन-सी, ई, लाइकोपीन, पोटेशियम, आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते है। आप टमाटर को अपने सलाद में शामिल कर सकते है। वहीं, रोज़ाना सुबह खाली पेट एक टमाटर या उसके जूस का सेवन करने से खून साफ होता है और आंत भी मज़बूत होती है।

नींबू-

नींबू का सेवन इम्यूनिटी बढ़ाने में काफी कारगर है। यह विटामिन सी,ए, बी6 व सोडियम, मैगनेशियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम और फोलेट जैसे तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। रोज़ सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। साथ ही यह हमें कई संक्रामक बीमारियों से भी बचाता है और शरीर के पाचनतंत्र को भी ठीक करता है। आप नींबू पानी या फिर सलाद आदि में इसका सेवन कर सकते हैं।

आम-

गर्मियों के मौसम में आम सबको बहुत ही पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। इसमें विटामिन- ए, बी और सी, कॉपर, फोलेट, पॉटेशियम और आयरन पाया जाता है। आम शरीर को स्वस्थ तरीके से खास पोषक तत्वों की पूर्ति करता है और इसके सेवन से इम्यूनिटी भी मज़बूत होती है।

अंगूर-

अंगूर भी हमारी इम्यूनिटी को स्ट्रॉग करने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन ए, बी और सी, साइट्रिक एसिड, फ्लोराइड और पॉटेशियम हमारे शरीर में काफी लाभ प्रदान करते हैं। इसके अलावा, अंगूर में फ्लेवोनॉयड्स एंटीऑक्सीडेंट तत्व भी पाया जाता है, जो हार्ट अटैक की संभावना को कम करता है। हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को भी अंगूर खाने की सलाह दी जाती है।

# रोगों से मुक्ति पाने की शक्ति प्रदान करता है गंगाजल

मां गंगा सभी का उद्धार करने वाली हैं। उनकी कृपा से दुर्भाग्य दूर हो जाते हैं। संकट से मुक्ति के लिए मां गंगा की उपासना बहुत मायने रखती है। मान्यता है कि गंगाजल का स्पर्श करने मात्र से कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। गंगाजल से सनन या इस पवित्र जल का सेवन करने से कई रोगों का खतरा कम हो जाता है। गंगाजल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। वास्तु शास्त्र में गंगाजल के प्रयोग से कई दोषों को दूर करने के बारे में बताया गया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।हर सोमवार भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक करें। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसनन होते हैं और उनकी कृपा बनी रहती है। गंगाजल के स्पर्श मात्र से ही मनुष्य और वस्तु शुद्ध हो जाती है। कोई भी पूजा बिना गंगाजल अधूरी मानी गई है। घर में साफ-सफाई के बाद सनन कर पूजा करें और गंगाजल का छिड़काव करें। गंगाजल प्रत्येक कमरे में छिड़कें। इससे मन शांत रहता है और घर में नकारात्मक शक्तियों का प्रवेश नहीं होता है। गंगाजल के सेवन से निमोनिया, मस्तिष्क ज्वर जैसी बीमारियों से मुक्ति पाई जा सकती है। मान्यता है कि गंगाजल के प्रयोग से आठ से भी ज्यादा बीमारियों का उपचार संभव है। मान्यता है कि गंगाजल को घर में रखने से हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। कभी भी दूषित हाथों से गंगाजल को स्पर्श नहीं करना चाहिए। पवित्र गंगाजल को हमेशा तांबे या चांदी के बर्तन में रखना चाहिए। घर में जहां गंगाजल रखा जाता है, वहां साफ-सफाई का बहुत ध्यान रखना चाहिए। माना जाता है कि हर दिन गंगा जल पीने से मनुष्य निरोगी रहता है और लंबी आयु प्राप्त होती है।

# फटी एड़ियां करती हैं शर्मिन्दा, तो इन घरेलू उपायों से बनाएं इन्हें सॉफ्ट-सॉफ्ट

एड़ियों का फटना एक आम समस्या है। लेकिन समर्स में जब हम फ्लिप-फ्लॉप से लेकर ओपन फुटवियर पहनते हैं तो ऐसे में फटी एड़ियां आपको काफी शर्मिन्दा कर सकती है। आमतौर पर लोग अपनी स्किन खासतौर से चेहरे पर तो खास ध्यान देते हैं, लेकिन पैरों की तरफ उनका ध्यान ही नहीं जाता। इतना ही नहीं, अगर फटी एड़ियों को नजरअंदाज किया जाए तो इससे समस्या बढ़ जाती हैं और फिर क्रैक्ड हील्स में काफी दर्द भी होता है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे कुछ उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप इन फटी एड़ियों की समस्या को दूर कर सकते हैं-

केले का करें इस्तेमाल

केले में कई पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है जिसमें विटामिन ए, बी 6 और सी शामिल है। यह पोषक तत्व त्वचा की लोच को बनाए रखने में मदद करते है और त्वचा को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखते हैं। केला एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र है जो पैरों को नम रखता है और त्वचा को सूखने से रोकता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप दो पके हुए केले लें और उन्हें अच्छी तरह मैश करके एक स्मूद पेस्ट बना लें। कभी भी कच्चा केला इस्तेमाल ना करें। अब आप पैर के नाखूनों और पैर की उंगलियों सहित, पैरों के सभी हिस्सों पर इस पेस्ट को लगाएं और इसे 20 मिनट तक रहने दें। फिर अपने पैरों को पानी से धो लें। बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले कम से कम 2 सप्ताह तक इसे दोहराएं।

चावल का आटा, शहद और सिरका

चावल का आटा एक अद्भुत प्राकृतिक एक्सफोलिएटर के रूप में काम करता है, जो मृत कोशिकाओं को साफ करने में मदद करता है और त्वचा को पोषण देता है। वहीं शहद के साथ एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है तो फटे पैरों की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। इसके अलावा, सिरका हल्का एसिड होता है जो शुष्क और मृत त्वचा को नम करता है, जिससे इसे एक्सफोलिएट करना बहुत आसान हो जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए 2 बड़े चम्मच चावल का आटा, 1 चम्मच शहद और 5-6 बूंदें सिरके की मिलाकर एक स्क्रब बनाएं। अब अपने पैरों को गुनगुने पानी में 10 मिनट के लिए डिप करें। इसके बाद धीरे से स्क्रब करके मृत त्वचा को साफ़ करें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में 2-3 बार दोहराएं।

शहद

शहद को एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक माना जाता है जो फटे पैरों को ठीक करने में सहायक होता है। साथ ही यह त्वचा को नम करता है और उसे सूखने से रोकता है। इसके अलावा, शहद के सुखदायक गुण त्वचा को रिजुविनेट करने में भी मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए एक कप गर्म पानी में 1 कप शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण में पैरों को साफ करें और 20 मिनट के लिए सूदिंग मालिश करें। इसके बाद अपने पैरों को सुखाएं और मॉइस्चराइजर लगाएं। कुछ हफ्तों के लिए बिस्तर पर जाने से पहले नियमित रूप से ऐसा करें। आपको जल्द ही असर नजर आने लगेगा।

# सूर्यदेव की करें उपासना, हर रोग हो जाएगा दूर

वैदिक काल से ही सूर्यदेव की उपासना की जाती है। सूर्यदेव की पूजा साक्षात रूप में की जाती है। पहले सूर्यदेव की उपासना मंत्रों से की जाती थी। बाद में मूर्ति पूजा का प्रचलन हुआ। सूर्यदेव की ऊर्जा से ही पृथ्वी पर जीवन है। उनकी कृपा से हर रोग से मुक्ति पाई जा सकती है। रविवार का दिन सूर्यदेव को समर्पित है। आइए जानते हैं सूर्यदेव से जुड़े कुछ आसान से वास्तु उपायों के बारे में। सूर्यादय के समय की किरणें स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वोत्तम मानी जाती है। ब्रह्ममुहूर्त का समय असीम ऊर्जा का भंडार है। इस समय का सदुपयोग करने से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। रविवार का दिन सूर्यदेव को समर्पित है, इस दिन पूरे परिवार के साथ सूर्यदेव की उपासना करें। भगवान सूर्य को तांबे के लोटे में जल, चावल, फूल डालकर अर्घ्य दें। रविवार के दिन लाल-पीले रंग के कपड़े, गुड़ और लाल चंदन का प्रयोग करें। रविवार के दिन फलाहार व्रत रखें। रविवार को सूर्य अस्त से पहले नमक का उपयोग न करें। तांबे की चीजों का क्रय-विक्रय न करें। रविवार के दिन घर के सभी सदस्यों के माथे पर चंदन का तिलक लगाएं। रविवार के दिन पैसों से संबंधित कोई कार्य नहीं करना चाहिए। इस दिन आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें। घर में कृत्रिम रोशनी के बजाए सूर्यदेव का प्रकाश आने दें। उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण नाम से जाना जाता है। इस दिशा का आधिपत्य सूर्यदेव के पास है। इस दिशा में बुद्धि और विवेक से जुड़े कार्य करें।

# फ्रेश से ज्यादा बासी रोटी खाने के हैं फायदे

बासी रोटी सुनते ही ज्यादातर लोग मुंह बना लेते हैं लेकिन स्वाद की बजाय सेहत की बात करें, तो बासी रोटियां पोषण से भरपूर होती हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि गेहूं के आटे से बनी रोटियों को सबसे ज्यादा पौष्टिक और सुपाच्य माना जाता है लेकिन इन रोटियों के गुण तब और भी बढ़ जाते हैं, जब ये बासी हो जाती हैं। आइए, जानते हैं बासी रोटी खाने फायदे-

-बासी रोटी को रोज दूध के साथ खाने से डायबिटिज और बीपी नियंत्रित रहता है। रोटी के बासी हो जाने से उनमें कुछ लाभकारी बैक्टिरिया आ जाते हैं इसके अलावा ग्लूकोज की मात्रा भी कम होती है।

-बासी रोटी को दूध के साथ खाने से पेट की बीमारियों से भी राहत मिलती है। इससे एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती है। बासी रोटी में फाइबर होने से यह पाचन को भी ठीक करता है।

-बासी रोटी शरीर के तापमान को भी संतुलित बनाए रखने में मददगार है। दूध के साथ बासी रोटी को खाने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। खासकर गर्मियों में इसका सेवन करने से हाई स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा नहीं रहता है।

-दूध के साथ बासी रोटी खाने से शरीर का दुबलापन भी दूर होता है और शरीर में बल की वृद्धि होती है। शरीर के दुबलेपन को दूर करने का यह सबसे कारगर उपाय भी है। खासकर रात के समय बासी रोटी खाना ज्यादा फायदेमंद होगा।

# कोरोना काल में दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा तनाव

कोरोना काल में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) के मामले भी बढ़ रहे हैं। चिकित्सकों की माने, तो पिछले दो महीने में रोजाना हाइपरटेंशन के शिकार होने वाले मरीज उनसे संपर्क कर रहे हैं। कोविड के चलते फोन पर भी हाइपरटेंशन को लेकर परामर्श का सिलसिला पहले की तुलना में बढ़ गया है। चौंकाने वाली बात ये है कि हाइपरटेंशन का शिकार पुरुषों के अलावा महिलाएं और युवा भी हो रहे हैं। चिकित्सक इसका सीधा कारण कोविड काल में पनप रहा मानसिक तनाव है। इसी के चलते निरंतर चिकित्सक मानसिक तनाव और चिंता से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। मुरादाबाद के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ गीतेश मानिक ने बताया कि पिछले दिनो में हाइपरटेंशन की शिकायत के कई मामले उनके पास आए हैं। डॉ मानिक ने बताया कि हाई ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन का खतरा अमूमन महिलाओं से अधिक पुरुषों में होता है। इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। फैमिली हिस्ट्री, तनाव, गलत खानपान और लाइफ स्टाइल। इससे बचने के लिए खानपान के साथ ही लाइफ स्टाइल का खास ख्याल रखने की जरूरत है।कोविड के चलते फिजिकल गतिविधि कम होने से और नेगेटिव सोच की वजह से यह समस्या अधिक पनप रही है। डॉ मानिक ने आगे बताया कि इन दिनो पुरुषों के अलावा महिलाओं और युवाओं में भी हाइपरटेंशन की शिकायत अधिक हो रही है। यदि सिर में तेज दर्द, नाक से खून और सांस लेने में दिक्कत और थकान हो। देखने में परेशानी और दिल की धड़कन अप्रत्याशित रूप से पहले की तुलना में अधिक बढ़ जाए, तो तुरंत अपने चिकित्सक से सलाह लेने की आवश्यकता है।

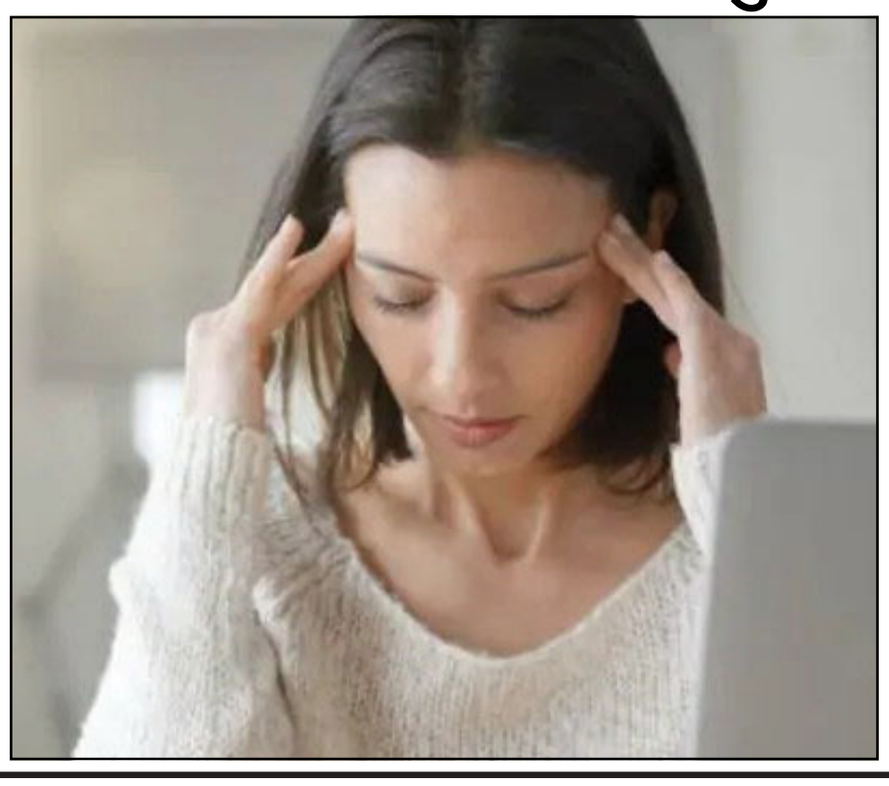

हाई ब्लड प्रेशर का सीधा असर फेफड़ों और दिल पर होता है। नियमित व्यायाम इसमें कारगर है। इससे दिल तेजी से धड़कता है। सामान्य से अधिक ऑक्सीजन का उपयोग करता है। तनाव और चिंता, मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इससे रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं। जो दिल पर अतिरिक्त दवाब डालती हैं। हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। पोस्ट कोविड मरीजों में कई बार सही होने के बाद बेचैनी, नींद कम आना और बीपी बढ़ने की शिकायत आ रही है। ऐसी स्थिति में कोई दवा बिना चिकित्सकीय परामर्श के नहीं लें। बीपी को कभी सिंगल रीडिंग में हाई बीपी नहीं माना जाता। इसके लिए घर में रहकर कुछ देर शांत बैठकर दिन में तकरीबन तीन बार की रिकॉर्डिंग नोट करें। सात दिन की बीपी रिकॉर्डिंग का औसत लेवल यदि 130 और 180 के ऊपर आता है, तो तुरंत चिकित्सक की परामर्श लेकर दवा लें। इसे होम मॉनिटरिंग ऑफ ब्लड प्रेशर (एचएमबीपी) कहते हैं।

# अनुपम खेर कोरोना मरीजों की मदद के लिए आये सामने, ऑक्सीजन और दवा की दान

अभिनेता अनुपम खेर भी कोरोना वायरस मरीजों की मदद करने के लिए सामने आये हैं।अनुपम खेर ने कोविड -19 से लड़ने वाले मरीजों के लिए बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) को बीआईपीएपी मशीन और ऑक्सीजन सांद्रता दान की है। अभिनेता ने अपने प्रशंसकों और अनुयायियों को योगदान के बारे में सूचित करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। अनुपम की पहल प्रोजेक्ट हील इंडिया और अनुपम खेर फाउंडेशन ने मुंबई में कोविड रोगियों के लिए पांच BiPAP मशीनों और पांच ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स का दान दिया।कुछ दिनों पहले, अनुपम खेर ने अपनी पहल प्रोजेक्ट हील इंडिया के बारे में बात करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

## बर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनलः ऋद्धिमान साहा का कोरोना रिपोर्ट निगेटिव; 24 मई को मुंबई में टीम के साथ जुड़ेंगे

**लंदन।** वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले भारतीय टीम के लिए राहत की खबर है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इंग्लैंड के साथ टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल किए गए साहा की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। वे दिल्ली में 17 दिन क्वारैंटाइन रहने के बाद कोलकाता लौट गए हैं। कुछ दिन परिवार के साथ रहने के बाद वे 24 मई को मुंबई में भारतीय टीम के साथ जुड़ जाएंगे। उसके बाद क्वारैंटाइन रहेंगे। IPL के 14वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले साहा 4 मई को कोरोना संक्रमित हो गए थे। उनसे पहले दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा, चेन्नई के संदीप वॉरियर और वरुण चक्रवर्ती, चेन्नई के बॉलिंग कोच एल बालाजी और बैटिंग कोच माइकल हसी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। जिसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंडियन प्रीमियर लीग प्रशासन ने IPL को बीच सेशन में ही रोकने का फैसला किया। IPL के आगे टाले जाने के बाद सभी खिलाड़ी अपने-अपने घर लौट गए, लेकिन साहा दिल्ली में क्वारैंटाइन रहे। साहा की एक रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद दूसरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जिसके बाद उनको फिर से क्वारैंटाइन रहना पड़ा। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल साउथैम्प्टन में 18 से 22 जून के बीच खेलना है। फाइनल के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड में ही रुक कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी करेगी। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त-सितंबर में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए भी साहा का चयन टीम में हुआ है।

## भारतीय टीम का बांग्लादेश दौराःअगले साल नवंबर में टीम इंडिया करेगी बांग्लादेश का दौरा; 2 टेस्ट और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी

**मुंबई।** टीम इंडिया अगले साल नवंबर में बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी। स्पोर्ट्स की वेबसाइट क्रिकइंफो के मुताबिक भारतीय टीम दो टेस्ट और तीन वनडे मैचों की खेलेगी। भारतीय टीम काफी लंबे समय के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। इससे पहले भारतीय 2015 में वहां गई थी।

**अगले साल भारतीय टीम का बिजी शेड्यूल**

कोरोना के चलते पिछले साल लगे लॉकडाउन की वजह से कई क्रिकेट इवेंट्स को स्थगित कर दिया गया था। अब चीजें धीरे-धीरे पटरी पर आने लगी हैं और देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज शुरू हो गई है। जो इवेंट्स स्थगित हो गए थे, उन्हें आने वाले दो सालों में कराया जाएगा। भारतीय टीम अगले साल की शुरुआत से ही बिजी शेड्यूल है। वेस्टइंडीज टीम जनवरी में भारत का दौरा करेगी और लिमिटेड ओवर की सीरीज खेलेगी। जिसमें 3 वनडे और 3 टी-20 मैच प्रस्तावित है।

उसके बाद फरवरी- मार्च में श्रीलंका टीम को भारत का दौरा करना है। श्रीलंका के साथ भारतीय टीम साथ 3 टेस्ट मैचों और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज खेलने के लिए जून-जुलाई में इंग्लैंड जाएगी। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। वहां से टीम वेस्टइंडीज के दौरे पर जाएगी। टीम इंडिया को जुलाई-अगस्त में वेस्टइंडीज के साथ लिमिटेड ओवर की सीरीज प्रस्तावित है। इसमें तीन वनडे और तीन टी-20 शामिल हैं। सितंबर में एशिया कप होना है। सितंबर-नवंबर में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ होम सीरीज खेलेगी। जिसमें भारत को 4 टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलना है। नवंबर में बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी।

## सुशील कुमार पर 1 लाख का इनामः हत्या के आरोप में दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट पहलवान के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने फरार चल रहे हत्या के आरोपी पहलवान सुशील कुमार और अजय के ऊपर इनाम की घोषणा की है। सुशील की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 1 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। वहीं, अजय को गिरफ्तार करवाने वाले को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। ये दोनों छत्रसाल स्टेडियम में सागर राणा की हत्या के मुख्य आरोप हैं। सुशील और अजय के अलावा अन्य आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस उत्तरी दिल्ली में स्थित छत्रसाल स्टेडियम परिसर के अंदर सागर राणा नामक पहलवान की मौत के कारण दो बार के ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार और अन्य की तलाश में छापेमारी कर रही है। लुकआउट नोटिस जारी करने के बाद भी सुशील कुमार इस मामले में पुलिस का साथ देने के लिए सामने नहीं आए। इस कारण अब उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि यह झगड़ा प्रॉपर्टी विवाद को लेकर हुआ। सागर और उसके दोस्त जिस घर में रहते थे, सुशील उसे खाली करने का दबाव बना रहे थे। इसी को लेकर मंगलवार देर रात स्टेडियम के अंदर पहलवानों के दो गुट आपस में भिड़ गए। इसमें 5 पहलवान जख्मी हो गए। इनमें से एक सागर (23) ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल का बेटा था।पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार रात में 1.15 से 1.30 के बीच स्टेडियम के पार्किंग एरिया में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तो वहां 5 गाड़ियां खड़ी मिलीं थीं। सागर और उसके 4 अन्य पहलवान साथियों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# एटीपी रैंकिंगः राफेल नडाल ने जिम्मी कोनर्स को पीछे छोड़ा

### शीर्ष दस में बने दूसरे नंबर के खिलाड़ी

**लंदन।** राफेल नडाल 817 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष दस में रहने का जिम्मी कोनर्स (816) का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए। सर्वाधिक 948 हफ्तों तक दुनिया के शीर्ष दस टेनिस खिलाड़ियों में शुमार रहने का रिकॉर्ड रोजर फेडरर के नाम है। आंद्रे आगासी (747) चौथे और जोकोविच (683) पांचवें नंबर पर हैं। सोमवार को जारी ताजा रैंकिंग में नडाल तीसरे नंबर पर कायम हैं। जोकोविच पहले और दानिल मेदवेदेव दूसरे नंबर पर हैं। नडाल ने 26 फीसदी समय पहले नंबर पर, 71 फीसदी दूसरे और 79 फीसदी समय तीसरे नंबर पर गुजारा।

## टोक्यो ओलंपिक 2021ः कोविड के चलते 70 फीसद जनता आयोजन के खिलाफ पर जापान अनुबंध के कारण मजबूर

**टोक्यो।** इसी साल जुलाई में टोक्यो ओलंपिक शुरू होने वाला है जिस पर कोरोना महामारी का संकट आ खड़ा हुआ है। जापान में महामारी की वजह से खेलों को रद्द करने की मांग तेज होती जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक जापान की 70 फीसद आबादी नहीं चाहती कि ओलंपिक खेलों का आयोजन हो, लेकिन इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ओलंपिक का आयोजन कराने पर अड़ी हुई है। हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा है कि ओलंपिक का आयोजन सरकार की प्राथमिकता नहीं है, लेकिन अंत में फैसला आईओसी का होगा। दरअसल, जापान एक अनुबंध के तहत बंधा हुआ है, जिसके अनुसार वह ओलंपिक के आयोजन को रोक नहीं सकता।

अंतराष्ट्रीय खेलों के वरिष्ठ वकील एलेक्जेंड्रे मिगुएल मेस्त्रे ने कहा कि ओलंपिक आईओसी की एक्सक्लूसिव प्रॉपर्टी है। आईओसी और मेजबान टोक्यो शहर के बीच हुए अनुबंध के तहत यहां सिर्फ आईओसी ही ओलंपिक के आयोजन को रद्द कर सकता है। टोक्यो प्रशासन के पास यह अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यदि आईओसी को ऐसा लगे कि मेजबान शहर में युद्ध है या लॉ एंड ऑर्डर विफल है, जिससे खिलाड़ियों को खतरा है, तब वह आयोजन को रद्द कर सकता है। वैसे कोरोना महामारी को भी ऐसे खतरे के रूप में देखा जा सकता है।

**अनुबंध को खत्म करने पर जापान को होगा नुकसान**

यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न के प्रोफेसर जैक एंडरसन के अनुसार यदि जापान एकतरफा अनुबंध खत्म करता है तो उसे बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ेगा क्योंकि जापान और आईओसी की ब्रॉडकास्टिंग स्पॉन्सरशिप में अरबों रुपये की हिस्सेदारी है। अनुबंध टूटने से इंश्योरेंस कंपनियां आयोजकों के प्रमुख खर्चों को कवर तो करेंगी, लेकिन वे अप्रत्यक्ष खर्चों (होटल, रेस्तरां, पर्यटन, हॉस्पिटल पर हुआ खर्च) को कवर नहीं करेंगी जिससे जापान के स्वास्थ्य और पर्यटन सेक्टर को भारी नुकसान होगा।

ओलंपिक का आयोजन रद्द होने से जापान की साख पर भी बुरा असर पड़ेगा क्योंकि अगले साल जापान का धुर विरोधी चीन विंटर ओलंपिक का आयोजन कर रहा है। पिछली बार जापान ने 1964 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। तब उस आयोजन को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान के पुनर्विकास से जोड़कर देखा गया था। फिलहाल जापान लंबे समय से आर्थिक ठहराव से जूझ रहा है इसलिए इस आयोजन को देश के पुनरुत्थान के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

# ग्रैंड स्लैम खिताबों का सूखाः4 साल से कोई भारतीय टेनिस खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत सका

**पेरिस।** साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 24 मई से पेरिस में शुरू हो रहा है। भारतीय खिलाड़ी सिंगल्स इवेंट में कभी कोई खिताब नहीं जीत सके हैं। लेकिन, मेंस डबल्स, मिक्स्ड डबल्स और वुमंस डबल्स में भारतीय कुछ साल पहले तक नियमित तौर पर चैम्पियन बनते रहे हैं। लेकिन, पिछले 4 साल से इन इवेंट्स में भी भारत को कोई कामयाबी नहीं मिली है। आखिरी बार 2017 में रोहन बोपन्ना ने जीत हासिल की थी।

**पहला खिताब फ्रेंच ओपन और आखिरी भी**

महेश भूपति ग्रैंड स्लैम जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी थे। उन्होंने 1997 में फ्रेंच ओपन में जापान की रिका हिराकी के साथ मिक्स्ड डबल्स का टाइटल जीता था। भूपति और हिराकी ने अमेरिका के पैट्रिक गालब्रेथ और लिसा रेमंड की जोड़ी को 6-4, 6-1 से हराया। संयोग से भारत का आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब भी फ्रेंच ओपन में ही आया है। 2017 में रोहन बोपन्ना और गैब्रिएला डब्रोवस्की की जोड़ी ने कोलंबिया के रॉबर्ट फराह और जर्मनी की एना लेना ग्रोनफील्ड को 2-6, 6-2, 12-10 से हराकर मिक्स्ड डबल्स में खिताबी जीत हासिल की थी।

**पर्सनल टैलेंट पर जीतते थे, देश में कोई खास सिस्टम नहीं**

भारतीय खिलाड़ियों ने 1997 से लेकर 2017 तक यानी 20 सालों में कुल 30 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इनमें 18 खिताब मिक्स्ड डबल्स के, 9 मेंस डबल्स के और 3 वुमंस डबल्स के रहे हैं। हालांकि, ये चारों खिताब सिर्फ चार खिलाड़ियों लिएंडर पेस, महेश भूपति, रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा ने दिलाए। इन खिलाड़ियों ने कभी आपस में तो कभी विदेशी सितारों के साथ मिलकर खिताब जीता। इतना कहा जा सकता है कि ये तमाम खिताब इन खिलाड़ियों के निजी टैलेंट और मेहनत का नतीजा रहे। देश में टेनिस का कोई खास सिस्टम नहीं रहा। अगर सिस्टम होता तो अन्य टैलेंटेड खिलाड़ी भी सामने आते।

**पेस-भूपति के साथ आने से हुई शुरुआत**

90 के दशक के आखिर में भारत को दो बडे टेनिस सितारे लिएंडर पेस और महेश भूपति डेविस कप की सफलता के बाद प्रोफेशनल सर्किट में भी जोड़ीदार बन गए। लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर इन्हें मिक्स्ड डबल्स में भी दमदार पार्टनर मिलने लगीं। नतीजा 1997 में सामने भी आ गया जब भूपति ने रिका के साथ मिलकर खिताब जीता।

**सबसे ज्यादा 18 खिताब पेस के नाम**

लिएंडर पेस सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले भारतीय सितारे हैं। उन्होंने कुल 18 खिताब जीते। इनमें 8 मेंस डबल्स और 10 मिक्स्ड डबल्स खिताब हैं। महेश भूपति ने 12 ग्रैंड स्लैम जीते। इनमें 4 मेंस डबल्स और 8 मिक्स्ड डबल्स खिताब हैं। सानिया मिर्जा ने 6 (3 वुमंस डबल्स और 3 मिक्स्ड डबल्स) खिताब जीते हैं। रोहन बोपन्ना ने एक खिताब (मिक्स्ड डबल्स) जीता है। इन खिलाड़ियों ने कई खिताब आपस में जोड़ी बनाकर जीते हैं। इसलिए देश के नाम कुल 30 ग्रैंड स्लैम ही हैं। यानी पेस के 18 खिताब में से तीन भूपति के साथ आए हैं। इसी तरह भूपति के 12 में से दो खिताब सानिया मिर्जा के साथ आए हैं।

## चैंपियंस लीगः बार्सिलोना ने पहली बार डब्ल्यूसीएल खिताब जीता

**गोटेनबर्ग।** बार्सिलोना ने चेल्सी को 4-0 से हराकर पहली बार डब्ल्यूसीएल का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने के 32वें सेकंड में बढ़त हासिल करने के बाद आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा। बार्सिलोना ने आत्मघाती गोल से खाता खोला और फिर 36 मिनट के अंदर स्कोर 4-0 कर दिया और इसे आखिर तक बरकरार रखा। बार्सिलोना स्पेन का पहला क्लब है, जिसने डब्ल्यूसीएल खिताब जीता। अभी तक इस पर सात बार के चैंपियन लियोन का दबदबा रहा था। इससे पहले बार्सिलोना 2019 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब लियोन ने उसे 4-1 से हरा दिया था। पहली बार फाइनल में खेल रही चेल्सी की टीम मिडफील्डर मेलेनी लियोपोल के आत्मघाती गोल से दबाव में आ गई। अलेक्सिया पुतेलास ने 14वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बार्सिलोना को 2-0 से आगे कर दिया। इसके सात मिनट बाद आइताना बोनमाती को गोलमुख के करीब गेंद मिली जिसे उन्होंने जाली में डालने में गलती नहीं की। कारोलिन ग्राहम हेनसन ने 36वें मिनट लिएकी मर्टन्स के खूबसूरत पास पर चौथा गोल किया। बार्सिलोना ने क्वार्टर फाइनल में मैनचेस्टर सिटी और सेमीफाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को हराया था।

## ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर पर बाल यौन उत्पीड़न का आरोप

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्राउंड पर अपनी हरकतों के लिए अक्सर विवादों में रहते हैं। कभी स्लेजिंग तो कभी बॉल टैम्परिंग का मामला सामने आता रहता है। हालांकि, ये मामले तो माफ किए जाने लायक हो सकते हैं, लेकिन इस बार वहां का एक घरेलू क्रिकेटर ऐसे मामले में आरोपी बनाया गया है जिससे मानवता शर्मसार होती है। बिग बैश लीग और स्टेट क्रिकेटर एरोन समर्स के ऊपर बच्चे का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है।

**आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई**

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक समर्स के पास बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़ी सामग्री बरामद हुई। उन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया और स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया।

**कम से कम 10 बच्चों के उत्पीड़न का आरोप**

पुलिस ने बताया कि समर्स के मोबाइल पर कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। इससे पता चलता है कि उसने कम से कम 10 बच्चों का यौन उत्पीड़न किया है। पुलिस अन्य वीडियो और फोटोग्राफ बरामद करने में जुटी है। फास्ट बॉलर एरोन समर्स बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस टीम के खिलाड़ी हैं। वहीं, घरेलू वनडे कप में उन्होंने तस्मानिया को रिप्रजेंट किया है। वे अभी किसी भी फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से नहीं खेल पाए हैं। समर्स ने अपना लिस्ट ए डेब्यू 2018 में तस्मानिया की ओर से ही किया था।

## एमिलिया रोमागना ओपन टेनिसः सेरेना ने तीन माह बाद लिसा को हराकर दर्ज की पहली जीत

**पार्मा।** तेईस बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने आखिरकार तीन माह बाद अपनी पहली जीत दर्ज कर ही ली। अमेरिका की 39 वर्षीय सेरेना ने एमिलिया रोमागना ओपन टेनिस के पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ी लिसा पिगाटो को 6-3, 6-2 से पराजित किया। सेरेना का यह इस टूर्नामेंट में पहला जबकि करियर का 1001वां मैच था। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली सेरेना का दूसरे दौर में सामना कैटरीना सिनिकोवा से होगा, जिन्होंने क्लारा टौसन को 6-1, 6-3 से मात दी। सेरेना ने अपनी पिछली जीत ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में सिमोना हालेप पर दर्ज की थी। उन्हें पिछले हफ्ते इटालियन ओपन के अपने पहले ही मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। सेरेना साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रही हैं जिसकी शुरुआत 30 जून से पेरिस में होगी।

# ला लिगा :लुईस सुआरेज के दम पर जीता एटलेटिको, ओसासुना को 2-1 से हराया

**मैड्रिड।** लुईस सुआरेज के आखिरी क्षणों में किए गए गोल के दम पर एटलेटिको मैड्रिड ने ला लिगा में ओसासुना को 2-1 से पराजित किया। इस जीत के साथ एटलेटिको सात साल में पहली बार खिताब जीतने के और करीब पहुंच गया है।

**23 मई को होने वाले अंतिम मुकाबले में होगा विजेता का फैसला**

अब उसे 23 मई को रियल वल्लाडोलिड के खिलाफ अपना आखिर मैच जीतना होगा। एटलेटिको के लिए रीनन (82वें मिनट) और सुआरेज (88वें मिनट) ने गोल किए। ओसासुना की तरफ से एंटे बुडमीर ने 75वें मिनट में गोल दागा था। इस जीत से एटलेटिको के 37 मैचों में 25वीं जीत से 83 अंक हो गए हैं जो मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड (81) से दो अधिक हैं।

**रियल भी ट्रॉफी की दौड़ में**

रियल मैड्रिड ने नाचो (68वें मिनट) के एकमात्र गोल की मदद से एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराकर खुद को खिताब की दौड़ में बनाए रखा है। एटलेटिको को खिताब हासिल के लिए अंतिम दौर में जीत की जरूरत है जबकि रियल को विजय के अलावा एटलेटिको की हार की दुआ करनी होगी। रियल का अपना आखिरी मुकाबला विल्लारियल के खिलाफ खेलना है।

**तो मेसी खेल चुके कैंप नाउ में आखिरी मैच**

बार्सिलोना की टीम सेल्टा विगो के खिलाफ 1-2 की हार के साथ ही खिताब की दौड़ से हो गई है। इसके साथ ही एक बार फिर से दिग्गज लियोनल मेसी के करियर को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया। ऐसी चर्चा है कि कैंप नाउ में मेसी अपना आखिरी मैच खेल चुके।

सेल्टा विगो के खिलाफ हार के बाद कोच रोनाल्ड कोमैन से पूछा कि मेसी ने कैंप नाउ स्टेडियम में मेसी ने अपना आखिरी मैच खेल लिया। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है नहीं। वह अभी भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

**कोच रोनाल्ड को उम्मीद, क्लब में बने रहेंगे लियोनल**

उन्होंने सेल्टा के खिलाफ दिखाया कि उनके बिना खेलना असंभव है। उन्होंने इस सत्र में लीग में 30 गोल किए और हमारे लिए बहुत से अंक जुटाए। यह मेसी ही हैं। मेरे और क्लब के लिए लिए हम चाहते हैं कि वह बार्सिलोना के साथ बने रहें। क्योंकि अगर लियो (मेसी) टीम में नहीं होगा तो गोल कौन करेगा।

पिछले सत्र में चैंपियंस लीग में बायर्न म्यूनिख के हाथों 2-8 की हार के बाद मेसी ने बार्सिलोना छोड़ने की इच्छा जताई थी। हालांकि क्लब ने उन्हें छोड़ा। इसके बाद मेसी ने कहा था कि वह सत्र पर ध्यान केंद्रित करेंगे और 30 जून को करार खत्म होने के बाद ही अपने भविष्य पर कोई फैसला करेंगे।

## मैच फिक्सर कहने पर भड़के सलमान बटः पाकिस्तानी क्रिकेटर ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को दिया जवाब, बोले- कुछ लोगों के दिमाग में गंदगी भरी होती है

**रांची।** अपने बड़बोलेपन के लिए मशहूर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। वॉन ने बट को मैच फिक्सर बताया था। इस पर पाकिस्तानी क्रिकेटर ने पलटवार करते हुए उन्हें मानसिक तौर पर बीमार बताया है। बट ने कहा कि वॉन का मैच फिक्सिंग को लेकर दिया गया बयान स्तरहीन है। दरअसल ये मामला वॉन के विराट कोहली और केन विलियम्सन को लेकर दिए गए एक बयान पर उठा। वॉन ने एक इंटरव्यू में कहा था- अगर आप केन विलियम्सन भारत के होते तो वे दुनिया के महानतम खिलाड़ी कहलाते, लेकिन, ऐसा है नहीं। आपको उन्हें महान कहने की इजाजत नहीं है। वॉन ने कहा- अगर आप ऐसा करेंगे तो सोशल मीडिया पर आपकी फजीहत कर दी जाएगी। वहीं, अगर आप विराट की तारीफ करते हैं तो आपको ज्यादा क्लिक और लाइक मिलते हैं। इस तर्क को बट ने बेबुनियाद बताया था। इस पर बट ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर वॉन की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि वॉन के तर्क बेतुके हैं। विराट ऐसे देश से खेलते हैं, जिसकी जनसंख्या बहुत ज्यादा है। इसलिए वहां फैन्स भी बहुत ज्यादा हैं।